संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 212
पृष्ठ 8
बुधवार
22 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- तेज धूप और गर्मी से होने...

विचार- राहुल ने मोदी का जादू खत्म किया

खेल- फिक्सिंग के साए में यह मुकाबला...

महिला अधिकारों के लिए सड़क पर उतरे सीएम योगी, बोले-

डबल इंजन' सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए पूरी प्रतिबद्ध

लखनऊ,संवाददाता। नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को लोकसभा में विपक्ष द्वारा पारित नहीं होने देने के विरोध में मंगलवार को राजधानी लखनऊ ऐतिहासिक जनाक्रोश का साक्षी बना, जब महिला अधिकार के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं सड़क पर उतरे। उनके नेतृत्व में हजारों महिलाओं का हुजूम मुख्यमंत्री आवास से सिविल हॉस्पिटल होते हुए विधान भवन तक उमड़ पड़ा। इस जनाक्रोश पदयात्रा में सीएम योगी के साथ पूरा मंत्रिमंडल सड़क पर उतरा दिखाई दिया। यह कोई साधारण पदयात्रा या रैली नहीं थी, यह नारी सम्मान और उसके संवैधानिक अधिकारों पर हुए हमले का सीधा और बेहद तीखा जवाब था। विधान भवन के सामने महिलाओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम

महिलाओं को विधानसभाओं एवं लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, किंतु कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके सहित इंडी गठबंधन के दलों द्वारा इसे बाधित करने का प्रयास उनके अलोकतांत्रिक और महिला–विरोधी चेहरे को उजागर करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इन दलों को अपनी नकारात्मक छवि सुधारने का अवसर दिया गया था, किंतु इन्होंने उसका दुरुपयोग करते हुए महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी अन्याय के विरोध में देशभर में आधी आबादी सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक ढंग से अपना आक्रोश प्रकट कर रही है। लखनऊ में प्रचंड गर्मी के बावजूद हजारों की संख्या में मातृशक्ति की सहभागिता प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के प्रति व्यापक जनसमर्थन और आशीर्वाद का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश का एक–एक नागरिक आधी आबादी की इस न्यायोचित मांग के साथ मजबूती से खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में देश ने व्यापक परिवर्तन देखा है, जिसमें 'महिला, गरीब, युवा और किसान' इन चार जातियों को केंद्र में रखकर नीतियों का निर्माण किया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप देश ने विकास और आत्मनिर्भरता के नए मानक स्थापित किए हैं। 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ', प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना सहित अनेक योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। स्वच्छ भारत मिशन केवल स्वच्छता का अभियान नहीं, बल्कि नारी गरिमा की रक्षा का सशक्त माध्यम है, वहीं उज्ज्वला योजना केवल ईंधन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और स्वावलंबन को सुदृढ़ करने का माध्यम है। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं केवल लाभ वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि परिवारों को स्वावलंबन की दिशा में अग्रसर करने का सशक्त आधार बन रही हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, घरौनी वितरण जैसे प्रयासों ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी आर्थिक सशक्तीकरण से जोड़ने का कार्य किया है। डबल इंजन की सरकार लगातार कार्य कर रही है, लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन के दल हर योजना का विरोध करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधानसभाओं और लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करने वाला है।

दार्जिलिंग की रैली में अमित शाह ने कहा-

दीदी को हटाने का समय आ गया

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल तेज हो चुका है और दार्जिलिंग के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की कुल्टी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा के दौरान राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कभी कुल्टी देश में लौह अयस्क उत्पादन का बड़ा केंद्र हुआ करता था, लेकिन मौजूदा सरकार की नीतियों के कारण यह क्षेत्र अब बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि राज्य में औद्योगिक विकास की अनदेखी की गई है, जिससे कई पारंपरिक उद्योगों पर संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सही नीतियां अपनाई जातीं, तो कुल्टी जैसे क्षेत्र आज भी देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभा सकते थे। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल भाजपा उम्मीदवार को विधायक बनाने या पार्टी कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पूरे बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कराना है। अमित शाह ने जनता से अपील करते हुए कहा कि 23 तारीख को कमल के निशान पर वोट दें और चार मई को भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में मौजूद हर घुसपैठिए की पहचान कर उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

दार्जिलिंग आयोजित जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य की राजनीतिक स्थिति पर तीखा बयान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की मांग अब तेज हो रही है और जनता परिवर्तन की दिशा में सोच रही है। अमित शाह ने गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो गोरखा बहनों और भाइयों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। अमित शाह ने अपने संबोधन में दावा किया कि भाजपा सरकार बनने के बाद छह महीनों के भीतर गोरखा समुदाय से जुड़ी पुरानी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे लोगों के जीवन में संतोष और स्थिरता आ सके। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) दोनों पर गोरखा समुदाय और दार्जिलिंग क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप रहा है। शाह के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान भाजपा अपनी सरकार बनने के बाद तय समयसीमा में करने का प्रयास करेगी।

बंगाल में फिर बनेगी टीएमसी सरकार, भाजपा को कोई नहीं चाहता-ममता

कोलकाता,एजेंसी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को हल्दिया में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी करेगी। ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में कोई भी भाजपा की सरकार नहीं चाहता है। ममता बनर्जी ने

विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि केंद्र से भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत नहीं होगी। टीएमसी फिर से सरकार बनाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि साल 2026 में भाजपा को दिल्ली की सत्ता से भी बाहर कर देंगे। इस दौरान ममता बनर्जी ने नेता प्रतिपक्ष सुभेंदु अधिकारी का नाम लिए बिना उन पर तीखे तंज कसे। उन्होंने कहा कि आपके भीतर बहुत अहंकार है। आपका तो पूरा परिवार ही चुनाव लड़ रहा है। ममता बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी का बचाव करते हुए कहा कि आप रोज अभिषेक को बुरा–भला कहते हैं। आप उनसे मुकाबला नहीं कर सकते और मुझसे लड़ना चाहते हैं? मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में अभिषेक बनर्जी ही मिदनापुर की देखरेख करेंगे। टीएमसी प्रमुख ने बताया कि वह पिछले एक महीने से पूरे बंगाल का दौरा कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने जनता की नब्ज को पहचाना है। उन्हें साफ दिख रहा है कि लोग भाजपा को पसंद नहीं कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने भाजपा पर पलटवार करते हुए अपनी श्चार्जशीटश भी जारी की। दरअसल, भाजपा ने टीएमसी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए एक चार्जशीट पेश की थी।

परिसीमन जोड़ महिला आरक्षण टाल रही सरकार : जयराम रमेश

नयी दिल्ली, एजेंसी कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण लागू करने में देरी करने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी पहले ही प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण तुरंत लागू करने की मांग कर चुके थे, लेकिन मोदी सरकार इस मुद्दे पर सोती रही और बाद में इसे परिसीमन से जोड़कर टालने की कोशिश की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वर्ष 2017 में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा से पारित कराने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि लोकसभा में बहुमत का उपयोग कर सरकार इस ऐतिहासिक विधेयक को पारित कराए। सोनिया गांधी ने अपने पत्र में लिखा था कि कांग्रेस पार्टी हमेशा इस कानून के समर्थन में रही है और आगे भी रहेगी, क्योंकि यह महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम होगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया था कि पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं को आरक्षण देने की पहल सबसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और कांग्रेस ने की थी, जो बाद में 73वें और 74वें संविधान संशोधन के रूप में लागू हुई। वहीं रमेश ने राहुल गांधी का वह पुराना पत्र भी साझा किया, जिसमें उन्होंने संसद के मानसून सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने के लिए प्रधानमंत्री से सहयोग मांगा था। राहुल गांधी ने पत्र में लिखा था कि महिला आरक्षण बिल 9 मार्च 2010 को राज्यसभा से पारित हो चुका था, लेकिन उसके बाद लोकसभा में विभिन्न कारणों से अटका रहा। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से कहा था कि अगर सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए गंभीर है, तो महिला आरक्षण बिल को बिना शर्त समर्थन देकर संसद के आगामी सत्र में पारित कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी थी कि और देरी होने पर अगले आम चुनाव से पहले इसे लागू करना मुश्किल हो जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तमिलनाडु वेलाचेरी में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पराजित हुआ और संघीय ढांचे की जीत हुई।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर खतरनाक खेल खेलने की कोशिश की। खरगे ने कहा कि भाजपा सरकार ने 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन से महिला आरक्षण को जोड़ने का प्रयास किया, जिससे तमिलनाडु जैसे राज्यों को नुकसान होता, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता पाई है। विपक्षी दल ने मांग की कि केंद्र सरकार मौजूदा लोकसभा की 543 सीटों के आधार पर ही महिला आरक्षण तुरंत लागू करे और इसके लिए संसद के मानसून सत्र या मई अंत तक नया विधेयक लाए।

मतगणना से पहले चुनाव आयोग ने दिया निर्देश

किसी भी परिस्थिति में सीलबंद कमरों को नहीं खोला जाए

नई दिल्ली,एजेंसी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को केरल के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और रिटर्निंग अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। वह मतगणना के दिन से पहले किसी भी परिस्थिति में कोई भी स्ट्रांग रूम न खोलें। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर ने कोझिकोड के पेरामब्रा निर्वाचन क्षेत्र में सोमवार को ईवीएम रखने वाले एक स्ट्रांग रूम के खोले जाने की खबरों और पलक्कड़ के नेनमारा निर्वाचन क्षेत्र में एक और स्ट्रांग रूम खोलने की कथित योजनाओं के बाद यह निर्देश जारी किया। यह दोहराया गया है कि किसी भी परिस्थिति में इंडेक्स कार्ड तैयार करने या ENCORE पोर्टल में डेटा सत्यापित करने के उद्देश्य से किसी भी मजबूत कमरे या बिना सील वाले कमरे को खोला या उसमें प्रवेश नहीं किया जाएगा। केलकर के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, चुनावी प्रक्रिया की अखंडता, पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को इन निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।श सोमवार को कोझिकोड जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि कोई भी स्ट्रांग रूम नहीं खोला गया था। कलेक्टर स्नेहल कुमार सिंह, जो जिला चुनाव अधिकारी भी हैं। उन्होंने कहा था कि मतदान अभिलेखों के सत्यापन और अद्यतन के लिए उम्मीदवारों के एजेंटों की उपस्थिति में जेडीटी इस्लाम हायर सेकेंडरी स्कूल में एक बिना सील वाला सामग्री कक्ष खोला गया था।

लड़खड़ाती दुनिया को भारत दिखाएगा रास्ता-मोहन भागवत

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने 31 जनवरी, 2026 को कहा कि दुनिया वर्तमान में लड़खड़ा रही है और शासन, धर्म और विज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के साथ 2000 वर्षों के प्रयोगों के बाद भारत के ज्ञान की तलाश कर रही है। पश्चिम त्रिपुरा जिले के मोहनपुर स्थित मां सौंदर्या चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेकम कार्यक्रम में बोलते हुए, भगवत ने टिप्पणी की कि सदियों से कई वैश्विक मॉडलों को आजमाया गया1 है, लेकिन वे स्थायी शांति और संतोष स्थापित करने में विफल रहे हैं। मोहन भगवत ने कहा कि 2000 वर्षों से दुनिया ने बहुत सारे प्रयोग किए हैं। पहले सब कुछ राजा को दिया जाता था। लोगों का मानना था कि राजा का होना अच्छा है, लेकिन बाद में राजा खुद अपनी प्रजा को लूटने लगा। इसलिए उन्होंने कहा, ईश्वर ही राजाओं का राजा है। इस प्रकार, ईश्वर के प्रति भक्ति पर आधारित विभिन्न धर्मों का जन्म हुआ। लेकिन उन्होंने जीवन में शांति स्थापित करने का प्रयास किया, और अंततः रक्त की नदियाँ बहा दीं।

उन्होंने आगे मानव पीड़ा को दूर करने में वैज्ञानिक युग की सीमाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाद में उन्होंने कहा, हम वैज्ञानिक हैं। हम ईश्वर में तभी विश्वास करेंगे जब ईश्वर प्रयोगशाला में हमारी परीक्षण नलियों में प्रकट होंगे, अन्यथा नहीं। फिर विज्ञान का युग शुरू हुआ। बहुत सारी सुख–सुविधाएँ और विलासिताएँ पैदा हुईं, लेकिन संतोष नहीं है। पीड़ा अभी भी है, परिवार टूट रहे हैं, और अपराध बढ़ रहा है। युद्ध, एक बार शुरू हो जाने पर, रुकते नहीं हैं, और युद्ध कभी नहीं रुकते।

खरगे के बयान पर भाजपा का पलटवार कहा-

कांग्रेस जाकिर नाइक को शांति का दूत और पीएम मोदी को आतंकी कहती है

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री और भाजपा के लिए आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को श्आतंकवादीश कह दिया। हालांकि, उन्होंने अपने बयान पर सफाई भी दी। वहीं, भाजपा नेताओं ने कांग्रेस की मानसिकता पर सवाल उठाए और खड़गे के बयान को राजनीतिक षड्यंत्र करार दिया। पुरी से सांसद और भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस की मानसिकता पर सवाल उठाया है और आरोप लगाया है कि यह जानबूझकर

किया गया षड्यंत्र है। संबित पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री को आतंकी कहना कोई भूल नहीं है। अगर वह सफाई दे रहे हैं तो आप याद रखिए, ये कांग्रेस का जानबूझकर किया गया षड्यंत्र है। कुछ दिनों से हम सभी देख रहे हैं कि कांग्रेस के तमाम नेताओं समेत राहुल गांधी पीएम मोदी को लेकर किस तरह की अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अपने भाषणों में पीएम मोदी के लिए तू–तड़ाक की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। आज तो हद हो गई, जब राहुल गांधी के कहने पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को आतंकवादी कह दिया। ये वही पार्टी है, जो ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहती है और बड़े–बड़े आतंकियों के साथ खड़ी रहती है। कांग्रेस जाकिर नाइक को शांति का दूत कहती है और पीएम मोदी को आतंकी। संबित पात्रा ने कहा कि पीएम मोदी आतंकी क्यों हैं? क्योंकि वे लोगों को पानी, घर, मुद्रा योजना, मुफ्त राशन दे रहे हैं और लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण दे रहे हैं। इसलिए वे आतंकी हो गए, ये कांग्रेस का चरित्र है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को यह याद रखना चाहिए कि जब–जब पार्टी ने पीएम मोदी के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया है, तब–तब जनता ने कांग्रेस को दंडित किया है।

पश्चिम बंगाल में बदलाव की आहट, इस बार खिलेगा कमल : रेखा गुप्ता

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में आगामी चुनाव को लेकर सियासी माहौल लगातार गर्म होता जा रहा है। जैसे–जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, राजनीतिक दलों के बीच आरोप–प्रत्यारोप और बयानबाजी भी तेज हो गई है। इसी क्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पश्चिम बंगाल की स्थिति और वहां की राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर कई तीखे बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे मतदान का दिन करीब आ रहा है, उनका विश्वास और मजबूत होता जा रहा है कि बंगाल की जनता इस बार बदलाव के मूड में है। उनका मानना है कि पिछले कई वर्षों से राज्य के लोग डर और भय के माहौल में जी रहे हैं और अब वे बदलाव चाहते हैं। रेखा गुप्ता ने यह दावा भी किया कि जनता इस बार बदलाव का मन बना चुकी है और वह एक नई शुरुआत की उम्मीद कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस बार पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। चुनाव परिणाम के बाद जो नया सवेरा आएगा, वह राज्य के लिए एक नए युग की शुरुआत करेगा, जिसमें हर नागरिक के लिए सम्मान, सुरक्षा और विकास की भावना होगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी दृष्टि में भविष्य का बंगाल भयमुक्त और विकास आधारित शासन की ओर आगे बढ़ेगा। रेखा गुप्ता ने पश्चिम बंगाल की मौजूदा टीएमसी सरकार पर भी कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है और महिला सीएम होने के बावजूद कई लोग यहां खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अपराध और भ्रष्टाचार की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं।

बंगलूरू पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

प्रयागराज। कर्नाटक के बंगलूरू स्थित थाना परप्पना अग्रहारा पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। दरोगा प्रवीण गहलुइया ने बताया कि सन 2014 में मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय खानदेव निवासी संजय कुमार यादव ने एक युवती से दुष्कर्म किया था। आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। जमानत से छूटने के बाद आरोपी घर आ गया, लेकिन तारीख पर नहीं गया। न्यायालय द्वारा जारी वारंट के आधार पर सोमवार को मऊआइमा पुलिस के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। दरोगा प्रवीण गहलुइया ने बताया कि प्रयागराज कोर्ट के आदेश पर आरोपी को बंगलूरू ले जाया जाएगा।

दो बाइक की टक्कर में अधेड़ की मौत, दो लोग घायल

प्रयागराज। थानाक्षेत्र के करपिया गांव में सोमवार सुबह दो बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई जबकि अन्य सवार घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी कोरांव भेजकर बाइक को कब्जे में ले लिया। भगेसर लहवा निवासी इंदल (45) पुत्र बेनी माधव अपनी पुत्री पूजा व पोती जाह्नवी को लेकर बाइक से कोरांव इलाज के लिए जा रहे थे। सोमवार सुबह करीब 11 बजे करपिया गांव में सामने से आ रही बाइक से उनकी टक्कर हो गई। इस दौरान बाइक सवार उत्तम मिश्रा पुत्र मिठाई लाल मिश्रा एवं कार्तिक मिश्रा घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सीएचसी कोरांव भेजा। जहां से उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ईंट-भट्ठा संचालक को गोली मारने के आरोपी गिरफ्तार, जेल

प्रयागराज। अमिलिया गांव में रविवार रात ईंट-भट्ठा संचालक को गोली मारने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोर्ट के आदेश पर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। वहीं घायल का एसआरएन अस्पताल में इलाज चल रहा है। अमिलिया गांव निवासी लाल बहादुर पटेल उर्फ गपोली पटेल रविवार रात करीब 9रू30 बजे गांव के समीप स्थित अपने ईंट-भट्ठे से घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, रास्ते में जमीन के विवाद को लेकर उनके सौतेले भाई ने गोली मार दी थी। हालांकि, गोली उनके कान के पास से छूते हुए निकल गई, जिससे वे घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एसआरएन अस्पताल भेजा। सोमवार को प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी रमाशंकर पटेल और राजेश को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर आरोपियों को जेल भेज दिया गया।

कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपकर उठाई जनसमस्याएं

प्रयागराज। कांग्रेस पार्टी के गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में पिछले 100 दिनों से चल रहे चौपाल अभियान के तहत विभिन्न गांवों और कस्बों में जनसमस्याओं को

उठाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने फूलपुर तहसील मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा और तत्काल कार्यवाही और समस्याओं के समाधान की मांग की गई। इस दौरान अशफाक अहमद ने भाजपा सरकार पर विफलता का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार केवल पूंजीवादी ताकतों पर ध्यान दे रही है, जबकि गरीब, मजदूर और छात्र उपेक्षित हैं। प्रदेश महासचिव राम किशुन पटेल ने कहा कि जीवन रक्षक दवाइयों की कमी से गरीबों का इलाज प्रभावित हो रहा है। मौके पर देवराज उपाध्याय, सुनील पांडेय, अनुपम कृष्ण द्विवेदी, सूफिया बानो, सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, आनंद प्रताप सिंह, अमर सिंह पटेल आदि रहे।

जोधी मझियारी में हटवाया गया अवैध अतिक्रमण

प्रयागराज। गांव जोधी मझियारी में सार्वजनिक रास्ते की जमीन पर वर्षों से किए गए अवैध अतिक्रमण को सोमवार को तहसील प्रशासन ने हटवाया। आरोप है कि सरकारी रास्ते की जमीन पर राममिलन द्वारा कई वर्षों से कब्जा किया गया था।

ग्रामीणों की शिकायत के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। सोमवार को नायब तहसीलदार विजय कुमार की अगुवाई में राजस्व टीम एवं लालापुर पुलिस की उपस्थिति में जेसीबी से अतिक्रमण हटवाया गया। एसडीएम बारा डॉ.गणेश कनौजिया ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रशासक की नियुक्ति के खिलाफ गरजे ग्राम प्रधान

प्रयागराज। करछना ब्लॉक मुख्यालय पर सोमवार को प्रधानों ने वित्तीय अधिकार वापस लेने की आशंका और पंचायत चुनाव समय से न कराए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रधानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के लिए आवाज उठाई।

प्रधानों का कहना है कि वर्तमान पंचायतों का कार्यकाल वर्ष 2026 में समाप्त होने वाला है, लेकिन सरकार द्वारा वित्तीय अधिकार छीनकर प्रशासक नियुक्त करने की चर्चा चल रही है।

इससे ग्राम स्तर पर विकास कार्य प्रभावित होंगे। इस मौके पर किशन सिंह, शैलेंद्र शर्मा, नागेंद्र पांडेय, धीतेश तिवारी, रवि शंकर पटेल, परमानंद आदि मौजूद रहे। वहीं सैदाबाद ब्लॉक मुख्यालय पर प्रदर्शन कर खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मौके पर रामबाबू सिंह, दिनेश बिंद, शेषमणि बिंद, अब्दुला अंसारी, सरफराज अहमद, अखिलेश कुमार सिंह, त्रिलोकीनाथ, शोभनाथ कुशवाहा आदि रहे।

वहीं, उरुवा में प्रशासक नियुक्ति पर रोक लगाने की मांग को लेकर प्रधानों ने प्रदर्शन कर एडीओ एसटी को ज्ञापन सौंपा। मौके पर पप्पू दुबे, राम सिंह, गोरे लाल गुप्ता, फतेहबहादुर सिंह आदि रहे। वहीं सोरांव में लल्लन पासी की अगुवाई में प्रधानों ने प्रदेश सरकार से समय पर पंचायत चुनाव करने की बात कही। उन्होंने एडीओ पंचायत सुरेंद्र प्रसाद को ज्ञापन सौंपा। मौके पर कमलेश पटेल, रीता साहू आदि रहे।

प्रधानों ने प्रभारी बीडीओ को सौंपा, ज्ञापन

विकासखंड कौड़िहार के प्रधानों का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को प्रभारी बीडीओ डॉ. मनोज कुमार सिंह से मिला। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रभारी बीडीओ को सौंपा। मौके पर रेखा पाल, भूपेंद्र सिंह यादव, राजू साहू, राजू पाल आदि रहे। इधर, कोरांव में रामानुज यादव की अगुवाई में खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। मौके पर दिलीप सोनी, देवराज सिंह, वेद प्रकाश सिंह, गंधर्व कुमार सिंह, दिनेश यादव, देवी दयाल मिश्र, लालता प्रसाद, अर्जुन सिंह, अनंत प्रसाद गुप्ता आदि रहे।

वहीं शंकरगढ़ में जल्द से जल्द चुनाव कराने की मांग की गई। मौके पर पुष्पराज सिंह, प्रताप सिंह, संतोष सिंह, अरविंद सिंह, नवनीत मिश्रा, राकेश शुक्ला, फैजान अहमद और पृथ्वीराज साहू आदि रहे।

पंचायत चुनाव समयबद्ध कराने की मांग

अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संगठन के बैनर तले प्रधानों ने सोमवार को पंचायत चुनाव समयबद्ध कराने और पंचायतों में प्रशासक नियुक्ति पर रोक की मांग उठाई। प्रधान संघ अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एडीओ आईएसबी सुरेश चंद्र को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। मौके पर बब्बू लाल यादव, रविंद्र कुमार शुक्ल, समर बहादुर, असद अली आदि मौजूद रहे।

बीवी और बच्चों को पालने की हैसियत नहीं तो न करें शादी, हाईकोर्ट ने खारिज की दलीलें

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण-पोषण के आदेश को चुनौती देने वाली पति की अपील खारिज कर दी है। साथ ही कहा है कि बीवी और बच्चों को पालने की हैसियत नहीं तो शादी न करें।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बीवी और बच्चों को पालने की हैसियत नहीं है तो शादी नहीं करनी चाहिए। शादी के बाद आर्थिक तंगी का उलाहना देकर अपनी जिम्मेदारी से भागा नहीं जा सकता।

इस तल्ख टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने पति की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने प्रयागराज के परिवार न्यायालय की ओर से पत्नी व बच्चों के पक्ष में चार हजार रुपये प्रति महीने भरण-पोषण के आदेश को चुनौती दी थी।

पति ने दलील दी कि वह मजदूर है। उसकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह

चार हजार रुपये महीने भरण-पोषण दे सके। साथ ही एक हलफनामा पेश कर पत्नी पर अवैध रिश्ते का भी आरोप लगाया। हालांकि, कोर्ट ने पति की सभी दलीलें सिरे से खारिज कर दीं।

कोर्ट ने पाया कि कम पढ़ी लिखी पत्नी से पति ने धोखे से हलफनामा पर हस्ताक्षर भी लिया था। कोर्ट ने पति की अपील खारिज कर कहा कि आज के दौर में महंगाई और जीवनयापन की लागत को देखते हुए चार हजार की राशि किसी भी नजरिये से अत्यधिक नहीं है। मुकदमेबाजी के दौरान आर्थिक तंगी का बहाना बनाकर पत्नियों को उनके हक से वंचित नहीं किया जा सकता।

गर्मी में बिजली की बढ़ी मांग, अघोषित कटौती शुरू

प्रयागराज। अप्रैल की शुरुआत के साथ ही गर्मी के कारण बिजली की मांग बढ़ गई है। इस कारण क्षेत्र में विद्युत की अघोषित कटौती शुरू हो गई है। नैनी क्षेत्र में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में पांच विद्युत उपकेंद्र से विद्युत आपूर्ति की जाती है।

इससे लगभग 40 हजार से अधिक उपभोक्ता जुड़े है। नैनी में टीएसएल उपकेंद्र, सोमेश्वर महादेव उपकेंद्र, परेरहॉट विद्युत उपकेंद्र, जेल रोड विद्युत उपकेंद्र और मामा भांजा विद्युत उपकेंद्र से शहरी और ग्रामीण फीडर से जुड़े मोहल्लों में आपूर्ति की जाती है। गर्मी के साथ बिजली की मांग बढ़ने से कटौती की समस्या बढ़ गई है। दिन और रात में लोकल फाल्ट के कारण घंटों आपूर्ति बंद रहती है।

ग्रामीण क्षेत्र में यह समस्या अधिक है। मामा भांजा उपकेंद्र

से ददरी, छिवकी, छोटा चाका, तेदुआवन, बरामार सहित अन्य ग्रामीण इलाकों में आपूर्ति होती है। उपकेंद्र से दूरी होने के कारण इन क्षेत्रों में फाल्ट आने पर उसकी मरम्मत करने में समय लगता है। इसके कारण यहां आपूर्ति अधिक बाधित हो रही है।

इधर, नैनी के शहरी फीडर से आपूर्ति किए जाने वाले मोहल्ले में भी बीते एक सप्ताह से फाल्ट की समस्या है। सोमवार को 132 केवीए ट्रांसफॉर्मर में फाल्ट के कारण टीएसएल उपकेंद्र से जुड़े मोहल्ले में दोपहर को आपूर्ति प्रभावित रही।

नैनी बाजार में रहने वाले लोगों के अनुसार, रात में कई बाद आपूर्ति बाधित हो रही है। जानकारी लेने पर उपकेंद्र से बताया जा रहा है कि लोकल फाल्ट के कारण यह समस्या आ रही है। एसडीएम टीएसएल उपकेंद्र मदन कुमार ने बताया कि बिजली की मांग बढ़ी है। लोकल फाल्ट की समस्या का तत्काल निस्तारण कराकर आपूर्ति सुचारू किया जा रहा है।

करनाईपुर दांदूपुर संपर्क मार्ग में दरारें, हादसे का खतरा

प्रयागराज। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार की गई करनाईपुरदृदांदूपुर संपर्क मार्ग अब बदहाल हो गई है। पटेल नगर चौराहे से कटरा चौराहे तक सड़क पर जगह-जगह दरारें उभर रही हैं और कई स्थानों पर सड़क की ऊपरी परत उखड़ गई है, जिससे राहगीरों का सफर जोखिम भरा हो गया है। बहरिया क्षेत्र के करनाईपुर, पटेल नगर व दांदूपुर मार्ग पर बनी यह सड़क क्षेत्र की प्रमुख संपर्क मार्ग है। जहां से प्रतिदिन कई छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। सड़क पर कई स्थानों पर दरारें और गड्ढे होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़

रहा है और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि जिन स्थानों पर सड़क फट रही है, वहां निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी की गई है। उनका आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क टिकाऊ नहीं बन पाई। साथ ही उन्होंने ओवरलोड वाहनों के लगातार आवागमन को भी एक बड़ा कारण बताया है, जिससे सड़क पर दबाव बढ़ रहा है और दरारें तेजी से फैल रही हैं। स्थानीय निवासी विकास यादव, महेंद्र यादव, राहुल पासी और अमित कुमार ने बताया कि इस मार्ग पर दिन-रात वाहनों की आवाजाही रहती है।

हाईवे पर उछली बाइक, डिवाइडर से टकराकर महिला की गई जान

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के जसरा बाईपास पर हाईवे पर उछली बाइक से गिरकर महिला डिवाइडर से टकरा गई। इस दौरान महिला की मौत हो गई। जबकि बेटा और तीन वर्षीय नातिन बाल-बाल बच गई। गुड्डी देवी (55) पत्नी लाल गोविन्द निवासी बोंगी थाना घूरपुर अपने बेटे गोलू व तीन वर्षीय नातिन रीता के साथ बेटी पूजा के ससुराल शंकरगढ़ के बघला गांव से लौट रही थी।

जसरा बाईपास पर अमरेहा गांव के सामने संतुलन बिगड़ने से बाइक उछल गई। इस दौरान डिवाइडर से टकराने पर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बेटा गोलू गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि नातिन बाल-बाल बच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से घायल को अस्पताल भेजा। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के चार बेटियां व दो बेटे हैं।

बेटी की तबीयत खराब होने पर महिला 15 दिन पहले उसके ससुराल गई थी। मंगलवार को घर में शादी थी। इसके लिए बेटा उसे बुलाने गया था। बता दें कि जसरा बाईपास पर रेलवे पुल के पहले खतरनाक जंपिंग है। लोगों ने बताया कि वहां अक्सर बाइक सवार असंतुलित हो जाते हैं।

सुलह न करने पर जानलेवा हमला, एसीपी से शिकायत

प्रयागराज। नवाबगंज थाने पर दर्ज मामले में सुलह समझौता न करने पर आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया। पीड़िता ने सोमवार को एसीपी सोरांव के कार्यालय पहुंचकर तहरीर देते हुए आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की। घटना से पीड़िता के परिजन परेशान हैं।

नवाबगंज थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर हाथिगहा गांव की रहने वाली उर्मिला देवी पत्नी हरिनंदन सिंह ने एसीपी को तहरीर देते हुए बताया कि 23 मार्च को उनके परिवार पर पड़ोस के लोगों ने हमला किया था। घटना की प्राथमिकी नवाबगंज थाने पर 26 मार्च को दर्ज कराई गई थी। आरोप है कि नवाबगंज पुलिस ने अपर पुलिस आयुक्त के आदेश के बाद भी नामजद आरोपित के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण आरोपियों का मनोबल बढ़ गया और मुकदमा में सुलह समझौते के लिए दबाव बना रहे हैं। समझौता न करने पर पीड़िता पर जानलेवा हमला किया गया। पुलिस ने जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

पंजाब के रंग से सराबोर रहा एनसीजेडसीसी का मंच

प्रयागराज। प्रयागराज में बैसाखी महोत्सव के छठे दिन पंजाब की कला और संस्कृति का प्रदर्शन हुआ। फोक ऑर्केस्ट्रा ग्रुप ने पंजाबी गीतों के साथ महोत्सव की शुरुआत की। गायिका राखी हुंदल ने पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति दी। अंत में, पारंपरिक वाद्य यंत्रों की जुगलबंदी ने दर्शकों का मन मोह लिया।

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) के सभागार में बैसाखी महोत्सव के छठवें दिन पंजाब की कला व संस्कृति देखने को मिली। सोमवार को महोत्सव का आगाज फाॅक

ऑर्केस्ट्रा ग्रुप के मनप्रीत कौर ने पंजाबी गीतों की मनमोहक प्रस्तुति से की तो खूब तालियां बजीं।

गायिका राखी हुंदल ने 'मेरी जुगनी दे धागे पक्के' और 'भाभी कड़ ले संदूक चो गरारा' की प्रस्तुति से समा बांधा। महोत्सव की अगली कड़ी में परमजीत पम्मी व साथियों ने ढोल, बांसुरी, हारमोनियम, सांरगी, अलगुजा व तुंबी की जुगलबंदी पेश की। इन पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मनोहारी प्रस्तुति की।

इसके पहले महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि संगीत नाटक अकादमी, चंडीगढ़ के अध्यक्ष सरदार मंजीत सिंह, सुखमिंदर कौर बराड़, फिल्म निर्माता दीपक खन्ना व केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। संचालन हिमानी रावत ने किया।

अप्रैल माह की काव्यगोष्ठी आज सम्पन्न

दिल्ली। शहर समता विचार मंच दिल्ली ईकाई की महिला काव्य गोष्ठी अफ़रोज अजीज के संयोजन एवं रचना जी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस गोष्ठी की विशिष्ट अतिथि डॉव नीलम नारंग मुख्य अतिथि उमा मिश्रा रही।

यह गोष्ठी सायंकाल 4 से 5 बजे तक चली जिसका शुभारंभ पंकज चतुर्वेदी के द्वारा माँ सरस्वती के चरणों में वंदना कर के किया गया। इस काव्य गोष्ठी में मधु अरोरा , सरिता कपूर, मनोरमा श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी, उमा मिश्रा, रचना जी, अफ़रोज अज़ीज एवं अर्चना झा अन्नू ने अपनी – अपनी रचनाओं को पढा । आयोजन में कई तरह की भावनाएं सुनने को मिली। सभी प्रस्तुती बेहद खास और प्रभावशाली रही। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन अर्चना झा ष्अन्नूष ने किया। कार्यक्रम के दौरान रचना जी की अध्यक्षता व उमा मिश्रा की उपस्थिती सकारात्मकता का माहौल बना कर रखा। अंत में अफरोज अजीज ने रचनाकारों एवं अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन कर आयोजन का समापन किया।

प्रगणकों-सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ शुरू

बलदेव। जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए नगर पंचायत बलदेव के अंतर्गत ड्यूटी में लगे सुपरवाइजरों व प्रगणकों का ब्लॉक संसाधन केंद्र बलदेव पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी कौशल कुमार व अधिशासी अधिकारी

बलदेव नगर पंचायत बलदेव संजय कुमार ने किया। शिविर में मास्टर ट्रेनरों प्रमोद यादव व संजय द्वारा समझाया गया कि मकानों की गणना में कौन–कौन सी जानकारी अंकित करनी हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्य में 15 मिनट लग सकते हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य में लगाए गए कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश और तकनीकी जानकारी प्रदान करना है, ताकि कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ से आए मृगेन्द्र बहादुर सिंह, जिला प्रभारी मथुरा एवं सहायक जिला प्रभारी अभिषेक पाण्डेय द्वारा जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संग्रहण, डिजिटल प्रणाली और फील्ड कार्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर नगर पंचायत बलदेव के सुनील पांडेय,गोकुलेश पांडेय,मनीष शर्मा व डॉ.जगदीश पाठक,सुजीत वर्मा,लक्ष्मण पांडेय,सुसेंद्र मित्तल,सौरभ सारस्वत,शैलेंद्र प्रताप सिंह,मोहित पाठक,महेश वर्मा,नवीन शर्मा,परमवीर,गीता रावत,श्रुति पांडेय,सुधा वर्मा,नीतू दुबे,आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

योगी ने सिविल सेवा दिवस की दी बधाई, कर्मिकों को दिया संदेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस के अवसर पर नौकरशाहों से कहा कि विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में उनकी अथक मेहनत, समर्पण और योगदान वास्तव में सराहनीय है। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, प्रशासनिक व्यवस्था के सशक्त आधार, हमारे सभी सिविल कार्मिकों को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण की दिशा में आप सभी का अथक परिश्रम, समर्पण और योगदान अभिनंदनीय है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सेवा, समर्पण और कर्तव्य के प्रति समर्पण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी सिविल सेवकों को सिविल सेवा दिवस की शुभकामनाएं। राष्ट्र निर्माण के प्रति आपका समर्पण देश की प्रगति की आधारशिला के रूप में कार्य करता है। आप में से प्रत्येक की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा लगातार सुशासन की भावना को मजबूत करती है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, भारतीय प्रशासनिक सेवा सहित वर्तमान में विभिन्न सिविल सेवाओं में कार्यरत अखिल भारतीय सेवाओं के सभी अधिकारियों को सिविल सेवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

यूपी विधानसभा का विशेष सत्र 30 अप्रैल को आहूत, नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर होगी चर्चा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा का एक विशेष सत्र 30 अप्रैल, बृहस्पतिवार को आहूत किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से मंगलवार को जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल (आनंदीबेन पटेल) ने 18वीं विधानसभा की उसके वर्ष 2026 के द्वितीय सत्र के लिए बृहस्पतिवार, 30 अप्रैल को 11.00 बजे से बैठक आहूत की गई है। विधानसभा सचिवालय सूत्रों ने बताया कि यह बैठक लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो पाने के बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विशेष चर्चा के लिए यह एक दिवसीय सत्र आहूत किया गया है। संसद में हाल में महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो पाया था जिसके बाद विधानसभा का यह एक दिवसीय सत्र महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा सूत्रों के अनुसार आज मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास से विधान भवन तक जनाक्रोश पदयात्रा निकालकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिलाओं ने अपने आक्रोश का इजहार किया है।

केएम विश्वविद्यालय में 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' पर सेमीनार: इस्कॉन के साथ छात्रों ने किया हरे कृष्ण महामंत्र का संकीर्तन

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय में मंगलवार को 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' (इंडियन नॉलेज सिस्टम) विषय पर एक भव्य सेमीनार का आयोजन किया गया। वृंदावन स्थित इस्कॉन संस्थान के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने छात्रों को जीवन के वास्तविक उद्देश्य और आध्यात्मिकता के वैज्ञानिक महत्व से अवगत कराया एवं युवाओं को प्रतिदिन कम से कम 10 मिनट महामंत्र का जाप करने का सुझाव दिया ताकि वे मानसिक शांति और एकाग्रता प्राप्त कर सकें।

सेमीनार के मुख्य अतिथि केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने बताया यह कार्यक्रम छात्र–छात्रों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। उन्हें न केवल शैक्षणिक दबाव को संभालने के सूत्र मिले, बल्कि जीवन के प्रति एक सकारात्मक और अनुशासित दृष्टिकोण अपनाने की नई दिशा भी प्राप्त हुई है। सेमीनार में पूर्व सलाहकार स्त्री रोग ऑन्कोसर्जन डॉ. रीना अधिकारी ने मंत्र ध्यान की महत्ता और उसके जीवन पर सकारात्मक प्रभावों को अत्यंत सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। उन्होंने 'पुनर्जन्म' और 'कर्म' के सिद्धांत पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जिस प्रकार मछली केवल जल में

सुखी रहती है, उसी प्रकार जीवात्मा को परमात्मा के नाम जप से ही वास्तविक शांति मिल सकती है। उन्होंने छात्रों को तनाव मुक्त जीवन के लिए दैनिक मेडिटेशन की सलाह देते हुए कहा नियमित मंत्र ध्यान से आपका मन शांत होता है, नकारात्मक विचारों में कमी आयेगी और भावनात्मक दृढ़ता बढ़ती जायेगी।

इस्कॉन वृंदावन के परमात्मा प्रभु ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए लक्ष्य का निर्धारण अनिवार्य है। महाभारत के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि ईश्वर के संपर्क में रहने से हृदय शुद्ध होता है और बुरी आदतें स्वतः ही छूट जाती हैं।

कार्यक्रम के दौरान इस्कॉन मंदिर वृंदावन से आए भगवान प्रभु, डा. राधाचरण दास, अमन प्रभु ने भजन एवं मंत्रोच्चारण के माध्यम से छात्र–छात्राओं को एक आध्यात्मिक अनुभव प्रदान किया। उनके आह्वान पर जब पूरा सभागार 'हरे कृष्ण, हरे कृष्ण' के महामंत्र से गूंजा, तो उपस्थित छात्र–छात्राएं भक्ति रस में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम छात्र–छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और उपयोगी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. वैशाली ने किया। सेमीनार के अंत में इस्कॉन की ओर से लाई गई प्रसादी सभी विद्यार्थियों में वितरित की गई। इस अवसर पर डॉ. पी.एन. भिसे (प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज), फॉरेन्सिक मेडीसन (एफएमटी विभाग) के डा. एसटी वली, पीयूष झा, सहित विश्वविद्यालय के सैकड़ों छात्र–छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

आचार्य शंकर के जन्मजयन्ती पर संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भय्या विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह की प्रेरणा से दर्शनशास्त्र एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आचार्य शंकर के जन्म जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान संगोष्ठी का आयोजन जी सिक्स सभागार में किया गया। भारतीय सांस्कृतिक एकता के संवाहक आचार्य शंकर विषयक संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी रहे। नितिन त्रिपाठी, अनन्तजी मिश्र के वैदिक मंगलाचरण के बाद संयोजक डॉ. युवराज सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में आचार्य शंकर की उपादेयता सार्वकालिक है।

मुख्य वक्ता डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने कहा कि आचार्य शंकर वैश्विक सांस्कृतिक चेतना के आदर्श पुरुष हैं। उन्होंने अनेकत्व में एकत्व की स्थापना की। अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने कहा आचार्य शंकर ने भारतीय सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित किया। वे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं पुरुषार्थ चतुष्टय के प्रबल संवाहक थे।कुलानुशासक प्रो. राजकुमार गुप्त ने कहा कि स्वचेतना भारतीय सांस्कृतिक एकता की प्रसारक शक्ति है। समत्व में एकत्व भारतीय संस्कृति की विशेषता है। डॉ. प्रिया ज्ञापन किया। डॉ. आनन्द राजा, डॉ. प्रदीप त्रिपाठी, डॉ. प्रियंका सक्सेना, डॉ. गौतम कोहली, डॉ. देवकीनंदन मिश्र, डॉ. विवेक

शंकर जीवनमुक्ति के आधार स्तम्भ हैं। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि आचार्य शंकर शाश्वत सांस्कृतिक धारा के जीवन्त व्यक्तित्व हैं। संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने कहा कि ज्ञानकाण्डीय परम्परा के शीर्ष व्यक्तित्व शंकर अखण्ड भारत के परिकल्पक थे। डॉ. पीयूष मिश्र ने कहा कि आचार्य शंकर की दृष्टि में आत्मवत्ता की झा ने कहा कि बहुरुप में एकरुप का दर्शन अद्वैत है। डॉ. पूजा सिंह ने आचार्य शंकर की सार्थकता को रेखांकित किया। नितिन त्रिपाठी, शिखा श्रीवास्तव,अजय कुमार, अर्पिता कुमारी, कैलाश चन्द्र तिलवाड़ी, अनन्तजी मिश्र आदि शोधार्थियों ने भी शंकराचार्य विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. सौरभ द्विवेदी ने संचालन किया। डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने धन्यवाद अग्रहरि, डॉ. अखिलेश कुमार सिंह, डॉ. मनोज यादव, शिव किशन यादव, लिया त्रिपाठी , फलक अंजुम, उत्कर्ष, विराज, गोल्डी अनुराग आजाद, कौशिकी, शिवम श्रीवास्तव, राघवेंद्र, संजीत, विवेक पाण्डेय, खुशबू सहित विश्वविद्यालय के सैकड़ों प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

गर्मी के चलते आज से बदले समय पर खुले स्कूल, इस समय हो जाएंगे बंद, सिर्फ चार घंटे स्कूल चलाने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी से बच्चों को राहत दिलाने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने स्कूलों के समय

में बदलाव किया है। बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में अब सुबह 7.30 से दोपहर 12.30 बजे पढ़ाई होगी। अभी स्कूलों का समय सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक है। मंगलवार से स्कूलों के इस समय में बदलाव हो गया है। कुछ जिलों में बेसिक शिक्षा अधिकारियों ने अलग से पत्र भी जारी कर दिया है।

बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने कहा है कि प्रदेश में गर्मी व हीटवेव को देखते हुए बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित परिषदीय विद्यालय सुबह 7.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक चलेंगे। विद्यालयों में पढ़ाई 7.30 से दोपहर 12.30 बजे तक होगी। जबकि विद्यालयों में प्रार्थना सभा, योगाभ्यास सुबह 7.30 से 7.40 बजे तक होगा। उन्होंने कहा है कि मध्यावकाश सुबह 10 से 10.15 बजे तक होगा।

वहीं शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय में सुबह 7.30 से दोपहर 1.30 बजे तक रहेंगे। इस दौरान वे शैक्षणिक, प्रशासकीय व अन्य कार्यों को पूरा करेंगे। निदेशक ने कहा है कि मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए प्रबंध समिति आवश्यक निर्णय लेने को अधिकृत होगी। बता दें कि प्रदेश में तेजी से बढ़ रही गर्मी को देखते हुए शिक्षक संगठन लगातार विद्यालयों का समय बदलने की मांग कर रहे थे। वहीं कुछ जिलों में विद्यालय का समय बदला भी था। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, प्राथमिक संवर्ग ने प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षणिक घंटों को आरटीई–2009 के अनुसार निर्धारित करने की मांग की है। इसके लिए संगठन ने प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा विभाग और महानिदेशक स्कूल शिक्षा को मांगपत्र भेजा है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने गर्मी में चार घंटे और जाड़े में पांच घंटे से अधिक की विद्यालय अवधि को बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए प्रतिकूल बताया है। उन्होंने कहा कि बच्चों की मानसिक ऊर्जा सीमित होती है इसलिए बहुत लम्बे समय तक स्कूल में रहना उनके लिए तनावपूर्ण होता है। प्रदेश महामंत्री प्रदीप तिवारी ने कहा कि आरटीई के अंतर्गत एक शैक्षणिक सत्र में विद्यालयों में कार्यदिवस व समय निर्धारित किया गया है।

भाजपा की पदयात्रा पर अखिलेश ने ली चुटकी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को सपा मुख्यालय में कई कई नेताओं ने समाजवादी पार्टी का दामन थामा। इसमें बसपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एमएच खान, श्यामलाल निषाद, विजय कुमार लाल, अखिलेश पाठक, इशरत अली खान, नीलू सत्यार्थी शामिल रहे। सपा मुखिया अखिलेश यादव की मौजूदगी में ये पार्टी में शामिल हुए। इस मौके पर सीमा राजभर समाजवादी महिला सभा की नई राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित की गईं। वे बलिया की रहने वाली हैं। इस मौके पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधा।

गाँव के किस्से

(छप्पय)

धर्म–कर्म के साथ जहाँ रहती है सेवा।
सूखी रोटी –दाल स्वाद में लगती मेवा।
कहना मत यह बात कभी भी हरि के डर से।
इसे परख कर देख गाँव कहते हैं सबसे।
चकाचौध से दूर हो, बीज बो रहे प्रेम का।
उनके आँगन में सदा, रहता है फल क्षेम का।।

झूम रही थी डाल हवाएँ सन सन करती।
पनघट की थी भोर चूड़ियाँ खनखन करती।
पनहारिन–संवाद गुलो–सा हँसते रहते।
बीती सारी बात गाँव के किस्से कहते।
लोककथाओं में निहित पानी के मटके दिखे।
कुछ जल को भरते हुये भरे कमर लटके दिखे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मथुरा में प्रशासनिक फेरबदल, 9 अधिकारियों के तबादले

मथुरा, सअतुल कुमार जिंदल 21 अप्रैल 2026

जनपद मथुरा में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी द्वारा उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) एवं डिप्टी कलेक्टर स्तर के अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में व्यापक फेरबदल किया गया है। जारी आदेश के अनुसार कुल 9 अधिकारियों के तबादले एवं नई तैनाती तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। जारी सूची के अनुसार सुशील कुमार सिंह को उप जिलाधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट गोवर्धन, उषा सिंह को उप जिलाधिकारी महावन, तथा आदेश कुमार को उप जिलाधिकारी मथुरा बनाया गया है। इसी क्रम में अखिलेश कुमार को उप जिलाधिकारी (न्यायिक) छाता तथा राजकुमार चौधरी को उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मथुरा/अपर नगर मजिस्ट्रेट वृंदावन का दायित्व सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त सुनील कुमार को उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मांट, डॉ कंचन गुप्ता को अपर उप जिलाधिकारी (द्वितीय) मथुरा, तथा प्रजाक्ता त्रिपाठी को अपर उप जिलाधिकारी (प्रथम) मथुरा नियुक्त किया गया है। वहीं राघवेंद्र शर्मा को डिप्टी कलेक्टर मथुरा बनाया गया है। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में निर्देशित किया गया है कि सभी संबंधित अधिकारी तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार ग्रहण करें तथा पूर्व में आवंटित कार्यों का विधिवत हस्तांतरण सुनिश्चित करें। प्रशासनिक हलकों में इस फेरबदल को कार्यप्रणाली में तेजी और सुचारु संचालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

फॉर्च्यूनर का दरवाजा अचानक खुलने से बाइक सवार टकराया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के गोमतीनगर इलाके में सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा आर्यन रेस्टोरेंट के सामने हुआ। जहां गलत दिशा में खड़ी फॉर्च्यूनर कार के ड्राइवर ने अचानक दरवाजा खोल दिया। जिससे बाइक सवार दुर्घटना का शिकार हो गया। पत्रकारपुरम गोमतीनगर निवासी मनीष यादव ने बताया कि वह अपनी बाइक से विवेक खंड स्थित ऑफिस जा रहे थे। इस दौरान सड़क के गलत दिशा में खड़ी फॉर्च्यूनर (यूपी 91वाई5551) के चालक ने अचानक दरवाजा खोल दिया। जिससे उनकी बाइक दरवाजे से टकरा गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि मनीष यादव गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गए। इस दौरान फॉर्च्यूनर सवार घायल को वहीं छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों की मदद से मनीष को पास में मौजूद उनके एक परिचित की गाड़ी से डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में भर्ती कराया। होश आने पर डॉक्टरों ने बताया कि उनके दाहिने पैर में गंभीर चोटें आई हैं और दो हड्डियां टूट गई हैं। शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें पाई गई हैं। जिसके बाद मनीष ने शिकायत दर्ज कराई। मामले में इंस्पेक्टर गोमतीनगर ब्रजेश चंद्र तिवारी का कहना है पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री ने विधायक निधि से दी 12 अरब साढ़े सैंतालीस करोड की मंजूरी

लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि हेतु वर्ष 2026–27 में विधान सभा के 403 में 400 सदस्यों हेतु 100000 लाख जीएसटी सहित यानि दस अरब मात्र की धनराशि तथा विधान परिषद के 100 में 99 सदस्यों हेतु 24750 लाख जीएसटी सहित यानि दो अरब सैंतालिस करोड़ पच्चास लाख की धनराशि अर्थात विधान मण्डल के 499 सदस्यों को वित्तीय वर्ष 2026–27 की प्रथम किश्त के रूप में 250 लाख जीएसटी सहित प्रति सदस्य की दर से कुल 124750 लाख जीएसटी सहित यानि बारह अरब सैंतालिस करोड़ पचास लाख मात्र जीएसटी सहित की धनराशि को अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। उप मुख्यमंत्री द्वारा ग्राम्य विकास विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि स्वीकृत की गयी धनराशि का व्यय विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के मार्गदर्शी सिद्धांतों में उल्लिखित व्यवस्था प्राविधानों तथा इस निमित्त जारी शासनादेशों के अनुसार ही किया जाय।

कांग्रेस ने सरकार को घेरा, सांसद प्रणीति शिंदे बोलीं- महिलाओं का इस्तेमाल करने की साजिश कर रही थी भाजपा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को कांग्रेस ने श्नारी शक्ति वंदन अधिनियमश पर सरकार को घेरा। सांसद प्रणीति शिंदे ने कहा कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की मंशा साफ नहीं है। सत्ता की लालच में महिलाओं का इस्तेमाल करने की साजिश की जा रही थी। इसका कांग्रेस ने पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से महिलाओं की हितैषी रही है। भाजपा का झूठ जनता समझती है। कांग्रेस ने पहली बार पंचायत में महिला आरक्षण दिया। लेकिन, भाजपा जल्दबाजी में महिला बिल के नाम पर जनता को धोखा देना चाहती है। सांसद प्रणीति शिंदे ने कहा कि कांग्रेस इस पर सार्वजनिक चर्चा चाहती है। भाजपा की प्रलोभन की नीति उजागर हो चुकी है। महिला बिल के जरिये देश को तोड़ने की साजिश थी। इसका कांग्रेस ने पर्दाफाश कर दिया। वहीं आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि यूपी में 2027 में चुनाव है। जरा भी नैतिकता है तो यूपी विधानसभा में प्रस्ताव पारित करें। कहें कि पहले यूपी विधानसभा चुनाव में 33 फीसदी आरक्षण का प्रस्ताव पास कराए। कांग्रेस समर्थन करेगी। इस मौके पर मनीष हिंदवी, सचिन रावत समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय.....

हंसा मेहता ने महिलाओं को 'मानव' का दर्जा दिलाया

केंद्र सरकार ने साल 2023 में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम कानून बनाया था। उसमें प्रावधान रखा–नई जनगणना व परिसीमन के बाद ही 33 फीसदी आरक्षण लागू होगा। ऐसे में परिसीमन को लेकर ही यह संविधान संशोधन बिल 16 से 18 अप्रैल तक चले संसद के विशेष सत्र के दौरान पटल पर रखा गया था, जो पारित न हो सका। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार हर दस साल में होने वाली जनगणना के बाद देश में परिसीमन होता है। इसके अनुसार साल 2021 में जनगणना प्रस्तावित थी। उस दौर में कोरोना और उससे उपजी परिस्थितियों के कारण वह तब टल गयी थी। हालांकि इस साल 17 अप्रैल से विभिन्न राज्यों में जनगणना शुरू हुई है जो 2027 तक दो चरणों में पूरी होगी। उसके बाद सीटों के समायोजन के लिए परिसीमन कराना था। इसके लिए संविधान संशोधन के तहत आवश्यक दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी, जिसके नहीं जुटा पाने और बिल को लेकर विपक्ष में अविश्वास के बीच संशोधन पर अभी ब्रेक लग गया है। अब चहुंओर नारी सशक्तिकरण की बहस–मुनादी का शोर है। यदि सत्ता पक्ष अपने संगठन में महिलाओं की समुचित भागीदारी देकर सकारात्मक कदम बढ़ाए तो विपक्ष के सामने लंबी लकीर खींच सकता है। यह नैतिक और न्यायोचित होगा। वैसे तो महिलाओं की भागीदारी संविधान बनने के दौरान बेहद कम थी परन्तु वह सशक्त थी। संविधान सभा में सिर्फ 15 महिला सदस्य ही थीं। उनमें सर्वाधिक मुखर हंसा मेहता, सुचेता कृपलानी, अमृता कौर, दुर्गाबाई देशमुख, रेणुका राय, विजयलक्ष्मी पंडित और सरोजिनी नायडू ने विभिन्न अवसरों पर बेबाकी से अपने विचार व्यक्त किए थे। हंसा मेहता संविधान सभा में अपनी भूमिका अदा करने के संग–संग वर्ष 1946 से 1948 तक संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत की प्रतिनिधि ा भी थीं। उन्होंने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के मसौदे में श्आल मेन आर बॉर्न फ्री एंड इक्वलश (शाब्दिक अनुवाद– सभी पुरुष स्वतंत्र और समान पैदा हुए हैं) वाक्यांश को बदलवाकर आल ह्यूमन बींग्स आर बॉर्न फ्री एंड इक्वल (सभी मानव स्वतंत्र और समान पैदा हुए हैं) करवाया था। इसे लैंगिक समानता को लेकर महान बदलाव के तौर पर आज भी याद किया जाता है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि मैन (पुरुष) शब्द से महिलाओं के अधिकार सीमित न हों। ऐसे ही छोटे और प्रभावी कदमों से महिला सशक्तिकरण की दिशा में मजबूत पहल हो सकती है। उदाहरणार्थ, बिहार ने गरीबी और पिछड़ापन से निकलने के लिए आधी आबादी को सरकारी नौकरियों में 35 फीसदी आरक्षण दिया। पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य सरीखे क्षेत्रों में महिलाएं नौकरियां पा रही हैं। बिहार ने ही हरेक पंचायत में बारहवीं तक स्कूल खोले और बच्चियों को साइकिलें मुहैया कराईं। इससे व्यापक बदलाव हुए। ऐसे ही, केरल में कुटुंबश्री, ओडिशा में मिशन शक्ति जैसी आर्थिक सशक्तिकरण की योजनाओं ने महिलाओं को सुदृढ़ किया है। कई राज्यों में महिलाओं के लिए पंचायत स्तरीय चुनाव में 33 से लेकर 50 फीसदी तक का आरक्षण किया गया है। हालांकि संविधान सभा की मंशा अभी अधूरी है। संविधान सभा में हंसा मेहता कहती हैं– श्इस देश की सामान्य स्त्री शताब्दियों से उस पर पुरुष समाज के नियम, व्यवहार और रीति–रिवाजों द्वारा लादी हुई असमानताओं से पीड़ित है, जो कि सभ्यता के उच्च शिखर से, जिसका कि हम सबको गौरव था, पतित हो गया है। उस गौरव की प्रशंसा डॉ. एस. राधाकृष्णन सदैव करते रहे हैं। मेहता ने कहा, श्आज ऐसी हजारों स्त्रियां हैं जिन्हें साधारण मानवीय अधिकारों से वंचित रखा जाता है। उन्हें परदों के अंदर घर की चारदीवारी में बंद रखा जाता है। वे स्वतंत्रतापूर्वक अपने घरों से बाहर भी नहीं जा सकतीं। इन परिस्थितियों में जो भी उनका शोषण करना चाहते हैं उनकी वह सरल आखेट बन जाती हैं. वे आगे कहती हैं–उसने कभी भी संरक्षित स्थान, अपना अनुपातिक भाग या पृथक निर्वाचन की मांग नहीं की है। जो कुछ भी हमने मांगा है, वह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय है। हमने केवल उस समानता की मांग की है जो कि पारस्परिक सम्मान और समझौते का आधार हो सकती है। महिला और परिसीमन बिल के इस शोर–शराबे में हमें उन मूल्यों और मार्गदर्शन को याद करना होगा जो हमारी जीवन शैली का आधार बन सकते हैं।

राहुल ने मोदी का जादू खत्म किया

शकील अख्तर

राहुल ने बिल्कुल सही कहानी सुनाई थी। जादूगर का जादू खत्म हो गया और जादूगर भी खत्म हो गया। खत्म हो गया मतलब उसकी वह कला जगलरी खत्म हो गई। महिला की आड़ में लाया गया परिसीमन बिल तो गिरा ही प्रधानमंत्री मोदी का खेल भी खत्म हो गया। शनिवार रात साढ़े आठ बजे प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी, समर्थकों, मीडिया और खुद को बहलाने के लिए भाषण दिया। नाम तो इसे राष्ट्र के नाम संबोधन का दिया गया था। मगर राष्ट्र के नाम संबोधन बहुत बड़ी चीज होती है। पूरा देश उत्सुकतापूर्वक सुनता है। देश के लिए कोई प्रेरणा होता है। हर कोई राष्ट्र को संबोधित नहीं कर सकता। यह विशेषाधिकार केवल राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ही होता है। लेकिन मोदीजी ने शनिवार रात इसे शिकवा शिकायत, रोना सहानुभूति पाने की कोशिश का जरिया बना दिया। प्रधानमंत्री मोदी का अब तक सबसे कमजोर भाषण। और यह हम नहीं कह रहे। उनके समर्थक कह रहे हैं। वे समर्थक जिनमें उत्साह भरने के लिए मोदी ने यह भाषण दिया था। कुछ तो इन्दिरा गांधी को याद कर रहे हैं कि कैसे वे हार को जीत के अवसरों में बदल देती थीं। मगर यह भूल गए कि वे इन्दिरा गांधी थीं। झूठ के मंच पर नहीं खड़ी थीं। उनके सिद्धांत थे, मूल्य थे। प्रगतिशील थीं। पूरे देश को साथ लेकर चलती थीं। नफरत और विभाजन की राजनीति नहीं करती थीं।

उन जैसा करने के लिए अंदर से साहस चाहिए। मोदी वह कहां से लाएंगे? नकारात्मक सोच डर पैदा करता है, हिम्मत नहीं। मगर खैर मोदी इन्दिरा की तरह काम करने लगें सब चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने जैसा डरा रखा है सबसे पहले उससे बाहर निकलें और इन्दिरा गांधी की तरह धमका दें जैसे उन्होंने उस समय के राष्ट्रपति निक्सन को हड़काया था कि भारत को क्या करना है यह तुमसे और पाकिस्तान से सीखने की जरूरत नहीं। कर पाएंगे या नहीं देखना होगा! लेकिन अगर कर दिया तो अगला राष्ट्र के नाम संबोधन रोने गाने के लिए नहीं देश को गर्व कराने वाला होगा। जो देश चाहता है। संबोधन में पाकिस्तान का नाम तो लिया मगर यह नहीं कह सके कि मेरी विदेश नीति की असफलता की वजह से आज वह दुनिया में केन्द्रीय भूमिका में आ गया है। पाकिस्तान का नाम लिया था तो यह भी बताना था कि उसने कोई बड़ा तीर नहीं मारा है। हमारे विश्व रंगमंच से हटने से उत्पन्न शून्य ने उसे मौका दे दिया। लेकिन प्रधानमंत्री ने यह सब कुछ नहीं बोला कांग्रेस कांग्रेस और बाकी टीएमसी, डीएमके, सपा को कोसते रहे। सोचिए राष्ट्र के नाम संबोधन में यह होता है? यह पार्टियां तो राष्ट्र का हिस्सा हैं। राष्ट्र के बाहर जिनसे चुनौती है उन पर हमला करना था। पाकिस्तान, चीन, राष्ट्रपति ट्रंप जो कहते हैं कि मैं आपका राजनीतिक कैरियर खतम कर सकता हूं उन पर हमला करना था। जनता खुश होती। मगर यहां तो उल्टे आपके समर्थक दुखी और निराश हो गए।

क्या राहुल गांधी की बात सही साबित हो गई। इतनी जल्दी। पहले भी उनकी कई बातें सही साबित हुई हैं कि किसान बिल वापस लेना पड़ेंगे, जाति गणना करना पड़ेगी। और भी कई। मगर यहां तो इतना तत्काल फल (परिणाम) आ रहा है कि कोई सोच भी नहीं सकता। राहुल की शुक्रवार को लोकसभा में कही दो बातें सही साबित हो गईं। एक उन्होंने कहा था कि अभी आधे घंटे में यहीं इनका दक्षिणी राज्यों के साथ साजिश करने का बिल गिराएंगे। और वाकई वह बिल गिरा दिया। दूसरा उन्होंने कहा था कि जादूगर का जादू खतम हो गया और खुद जादूगर भी। शनिवार को प्रधानमंत्री के भाषण के बाद यह भी दिख गया। केवल एक गोदी मीडिया है जो अभी भी प्रधानमंत्री में जादू देख रहा है। वह अभी भी बताने में लगा है कि राहुल कांग्रेस, टीएमसी ममता, डीएमके स्टालिन, सपा अखिलेश सब खत्म हो गए। प्रधानमंत्री के एक भाषण ने इन सबकी राजनीति खत्म कर दी। मगर गोदी मीडिया के अलावा किसी को नहीं लग रहा कि मोदी में अब बाजी पलटने की क्षमता है। जिसे महिला बिल कह रहे हैं उसकी असलियत सबकी समझ में आ गई है कि उसका महिलाओं से कोई संबंध नहीं था। वह तो मनमाने ढंग से अपने लिए जीतने वाली सीटें बढ़ाने का परिसीमन बिल था। दक्षिण के राज्यों में सौतेला समझने की भावना फैलाने वाला बिल।

सोचिए भारत की एकता और अखंडता के लिए यह कितना जरूरी है कि दक्षिण के राज्यों में ऐसा कोई संदेश नहीं जाए कि उनकी सीटें कम करने की साजिश हो रही है। उन्हें उत्तर भारत के मुकाबले कमजोर करने की कोशिश हो रही है। विपक्ष ने इस माहौल को खत्म कर दिया। देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए यह विपक्ष का बड़ा योगदान है। प्रधानमंत्री महिलाओं की आड़ में अपने राजनीतिक उद्देश्य छुपाना चाह रहे थे। 12 साल बाद भी उन्हें दक्षिण में स्वीकृति नहीं मिली। इसके लिए वाजपेयी की तरह वहां की पार्टियों का नेताओं का विश्वास जीतकर धीरे–धीरे जगह बनाते। लेकिन उन्होंने सीधे दक्षिणी राज्यों की लोकसभा सीटें कम करने का षड्यंत्र रच डाला।

राहुल ने पकड़ लिया। क्या इंटेलिजेंट कहानी थी। एकदम सामयिक। जो लोग उस समय लोकसभा में थे वही समझ सकते हैं कि सरकार के मंत्रियों और खुद लोकसभा अध्यक्ष ने राहुल को किस तरह यह कहानी सुनाने से रोकने की कोशिश की। बाहर तो जितना लिमिटेड संसद टीवी से आता है वही दिख रहा था। मगर अंदर प्रेस गैलरी से वह सब दिख रहा था कि किस तरह राहुल का मजाक उड़ाने से लेकर चिल्लाकर उन्हें रोकने, बार–बार व्यवधान करने याने कि हर तरह डिस्करेज करने की कोशिश हुई। राहुल को कई बार बैठ जाना पड़ा। लोकसभा अध्यक्ष ने मर्यादा का पाठ पढ़ाने की कोशिश की। यहां तक बोल गए ओम बिरला कि अगर सत्ता पक्ष इन्हें नहीं रोकेगा तो मैं रोकूंगा। और सबसे मजेदार बात यह कि राहुल ने एक बार भी प्रधानमंत्री शब्द का इस्तेमाल नहीं किया था। मोदी नाम लेना तो दूर की बात। केवल मैजिशियन कह रहे थे। लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू और लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आप प्रधानमंत्री के लिए ऐसा नहीं बोल सकते।

महिला आरक्षण पर सरकार का खेल

सत्यमेव जयते, यह भारत का ध्येय वाक्य है। भारतीयों का यही यकीन है कि सच की ही जीत होती है। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार बार–बार हमारे इस यकीन की परीक्षा ले रही है। देश में अब एक बार फिर सच को नकारने की कोशिश और झूठ को बढ़ावा देने की राजनीति शुरु हो गई है। शनिवार का प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन ऐसी ही एक कोशिश थी। संसद के विशेष सत्र में 131 संविधान संशोधन विधेयक को सरकार पारित नहीं करवा सकी। इंडिया गठबंधन की एकजुटता ने मोदी सरकार को करारी हार का स्वाद चखाया तो अब भाजपा कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों पर हमलावर है कि वह नारी का अपमान करती है। हालांकि संसद में चर्चा के दौरान विपक्ष ने लगातार यही कहा कि उसका विरोध महिला आरक्षण से नहीं है। जब 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम मोदी सरकार लाई थी, जिसके जरिए महिलाओं को संसद और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, तो सारे दलों ने इस पर सहमति जताई थी। तब प्रधानमंत्री मोदी ने इस सफलता के लिए अपनी पीठ थपथपाई थी, तो अब उनके द्वारा लाया गया एक दूसरा विधेयक पारित नहीं हो सका, तो इस की जिम्मेदारी भी उन्हें खुद लेनी चाहिए, मगर वे विपक्ष पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। दरअसल विपक्ष का विरोध महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन विधेयक पारित कराने की कोशिशों पर था। यह बात उसने पहले ही साफ कर दी थी, फिर भी सरकार ने विधानसभा चुनावों के बीच में संसद का विशेष सत्र लगाया, ताकि संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित करवा सकें, लेकिन संविधान संशोधन विधेयक में ही सरकार के हाथ नाकामी लगी, तो अभी के लिए बाकी दोनों विधेयकों से किनारा कर लिया गया। सरकार ने 2023 में पारित विधेयक पर तो कानून नहीं बनाया, लेकिन अब चाहती है कि बिना जनगणना के परिसीमन हों, जिसमें संसद और विधानसभा की सीटें बढ़ जाएं, उसके बाद उसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण किया जाए। लेकिन विपक्ष का तर्क था कि महिलाओं को आरक्षण आप अभी दे दीजिए, उसके लिए परिसीमन की जरूरत नहीं है। असल में मोदी सरकार की निगाहें 2029 के चुनावों पर हैं, जिसमें परिसीमन के बाद उत्तरभारत की सीटें दक्षिण भारत की तुलना में बढ़ जाएंगी, क्योंकि यहां आबादी ज्यादा है और दक्षिण भारत में जनसंख्या पर काफी हद तक नियंत्रण है। भाजपा को उत्तरभारत से ही फायदा है। लेकिन इस बार मोदी सरकार की चालाकी नाकाम हो गई। राहुल गांधी ने इस विधेयक पर चर्चा के दौरान जिस तरह जादूगर का खेल खराब होने की कहानी सुनाई और उस पर सत्तापक्ष के लोग हड़बड़ाए, घबराए दिखे, उसी से समझ आ गया कि उन्हें भी हार का डर था। हालांकि हारने के बाद भी भाजपा ने जब विपक्ष को ही महिला–विरोधी साबित करने की कोशिश की और मीडिया इसमें रूदाली की भूमिका में आ गया, तो प्रियंका गांधी ने शनिवार सुबह एक प्रेस कांफ्रेंस कर सारी स्थिति साफ कर दी कि हम महिला आरक्षण के विरोध में नहीं हैं, उसके नाम पर अभी परिसीमन कराने की कोशिश के विरोध में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का मसीहा बनना आसान नहीं होता। उसके लिए काम करना पड़ता है। इससे पहले प्रियंका गांधी ने संसद में यह भी कहा था कि बहकाने वाले पुरुषों को महिलाएं झट से पहचान लेती हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी की समझ में शायद इनमें से एक भी बात नहीं आई और उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस का जवाब देने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया। राष्ट्र के नाम संबोधन किया, जिसमें मणिपुर में भड़कती हिंसा, ईरान के कारण ऊर्जा संकट, भारतीय झंडे वाले जहाज पर ईरानी नेवी का हमला, अर्थव्यवस्था का डांवाडोल होना, ऐसे किसी जरूरी मुद्दे पर बात नहीं की, आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते हुए महिला आरक्षण लागू न करने के लिए विपक्ष को कोसा। प्रधानमंत्री मोदी ने देश को संबोधित करते हुए देश की श्माताओं और बेटियोंश से माफी मांगी और विपक्ष पर छोटी राजनीति के कारण महिलाओं के सपनों को कुचलने का आरोप लगाया।

राजनीतिक स्वार्थ का शिकार महिला आरक्षण बिल

हमारे देश में महिलाओं को लेकर दोहरी सोच बहुत पहले से रही है। एक तरफ उनकी विद्वता, वीरता और त्याग की कहानियां हैं तो दूसरी तरफ उनकी उपेक्षा, दोयम दर्जे का नागरिक मानना और भोग–विलास की वस्तु मानने की मानसिकता भी कायम है।

त्रेतायुग में जब राम राज्य था तब भी अयोध्या का समाज महारानी सीता को इस योग्य नहीं मानता था कि उन्हें अयोध्या के सिंहासन पर राजा राम बैठाएं। हो सकता है कुछ लोग इससे सहमत न हों लेकिन आज भी जब केन्द्र से लेकर राज्य सरकारें तक महिलाओं को लुभाने के लिए तरह–तरह की योजनाएं चला रही हैं तब भी बालिकाओं को बोझ समझा जाता है और भ्रूण हत्याएं भी हो रही हैं। पुरुष और महिला जनसंख्या के अनुपात में अंतर बढ़ता जा रहा है। इसलिए दो दशक से ज्यादा समय से लटके महिला आरक्षण बिल को लागू नहीं किया जा रहा है। मौजूदा समय में यदि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के 131वें संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा में पारित भी कर दिया जाता, तब भी संसद में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण 2029 के लोकसभा चुनाव में ही मिल पाता। इस बीच कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो जाएंगे। कई बातें जनता की समझ में भी नहीं आ रही हैं जैसे जहां की आवादी ज्यादा हो, वहां ज्यादा डाक्टर, ज्यादा इंजीनियर, ज्यादा स्कूल तो होने चाहिए लेकिन ज्यादा सांसद और विधायकों की क्या जरूरत है। क्या यह सच नहीं है कि सांसद और विधायक इस देश की जनता पर अनावश्यक बोझ हैं। दूसरी बात यह कि पूर्व में जब महिला आरक्षण विधेयक बना था तो उसी नाम से पारित करने में क्या दिक्कत है? बहरहाल लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल को आवश्यक दो–तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया। विपक्ष इसे अपनी जीत मान रहा है लेकिन सरकार और उसके समर्थक दल महिलाओं की सहानुभूति अर्जित करने के लिए विपक्ष को रोड़ा बता रहे हैं। महिलाएं स्वयं दलगत राजनीति से ऊपर उठें तो उनमें इतनी क्षमता है कि वे 33 क्या 40 फीसद से ऊपर जनप्रतिनिधि ा बन सकती है महिला आरक्षण बिल फिलहाल तो ठंडे बस्ते में चला गया है। ये कह पाना मुश्किल है कि बिल अब कब लागू हो पाएगा। मान लीजिए कि सरकार और विपक्ष के बीच आने वाले समय में बिल पर कोई सहमति बन जाती है फिर भी महिला आरक्षण 2034 के लोकसभा चुनाव के पहले लागू होना मुश्किल लगता है। पहले ही बहुत देर हो चुकी थी अब और कितना इंतजार। 31वां संशोधन बिल लोकसभा से पास नहीं हो सका। घंटों लंबी बहस और मतभेदों के बीच यह बिल लोकसभा में गिर गया। सरकार को बिल को पास करवाने के लिए दो–तिहाई वोटों की जरूरत थी लेकिन पक्ष में सिर्फ 298 वोट पड़े। विरोध में 230 वोट पड़े, जो दो तिहाई से बहुत कम हैं। पीएम मोदी की अंतरआत्मा की आवाज सुनने वाली अपील भी कुछ खास असर नहीं दिखा पाई। 2023 के मूल कानून के हिसाब से संसद के दोनों सदनों में महिलाओं के लिए 33 फीसद आरक्षण तभी लागू होना था, जब अगली जनगणना पूरी हो जाए। मतलब यह कि यह 2034 से पहले लागू होना मुश्किल लगता है। वजह ये है कि अभी जनगणना चल रही है। इसे पूरा होने में वक्त लगेगा। इसके बाद सीटों का डिलिमिटेशन यानी कि नया बंटवारा भी होगा जबकि नए बिलों के हिसाब से महिला आरक्षण को 2029 तक लागू होना था। इसके लिए सीटों का बंटवारा 2011 की जनगणना के आधार किया जाना था लेकिन ये हो नहीं सका। केंद्र सरकार संशोधन बिल में दक्षिणी राज्यों की सीटें बढ़ाने जैसे कुछ बदलाव कर सकती है। मतलब यह कि 2011 के बजाय 2027 की जनगणना को आधार बनाया जाए। इसके बाद बिल को नए सिरे से पेश किया जाए। सहमति बनाने के लिए विपक्ष के सुझाव लिये जाएं। कई विश्लेषकों का कहना है कि ओबीसी महिलाओं के लिए अलग उप–कोटा देने से पहले पूरे ओबीसी समुदाय के लिए ही राजनीतिक आरक्षण को संविधान में शामिल करना होगा। फिलहाल ओबीसी आरक्षण शिक्षा और नौकरी तक सीमित है।

सीमा वर्णिका की कलम से

'रिहाई'

जेल की लम्बी सजा काट कर प्रमोद आज रिहा हो रहा था। वह समझ नहीं पा रहा था खुश हो या अफ़सोस मनाए ।

वह जेल के फाटक के बाहर जड़वत खड़ा सोच रहा था किधर जाए। वहाँ जहाँ उसके परिजनों ने उसे अपराधी मान जेल के सींखचों के पीछे जीवन काटने को मजबूर किया। या फिर कहीं और गुमनामी में शेष जीवन काट दे।

उसे आज भी याद है वह काली रात। आपसी कहा सुनी पर उत्तेजित होकर उसकी पत्नी रेखा ने उसके सामने ही फाँसी लगा ली थी। उसने बचाने का भरसक प्रयत्न किया था पर तब तक रेखा का दम घुट गया था और वह नहीं बची शोर शराबा सुनकर सब जमा हो गए थे। नारी सशक्तिकरण वाले भाई भतीजे सब मुझे जिम्मेदार ठहरा रहे थे। सबका मानना था कि हमने उसका गला दबा कर मार डाला और फिर लटका दिया । कोर्ट में केस चला । खूब इज्जत उछाली गयी। हर बार नयी बातें नए आरोप मेरा इंतजार कर रहे होते। मेरे वक़ील भी कुछ नहीं कर पाए। मुझे बीस साल की बामशक्कत जेल हुयी। हाँ इन बातों का सबसे ज्यादा असर पड़ा मेरी बेटी के जीवन पर। वह मात्र दो वर्ष की बच्ची थी उसकी कस्टडी एक अनाथ आश्रम को दे दी गयी थी। मैं जेल में कमाए पैसे अनाथ आश्रम में बेटी के खर्चे के लिए भेज देता था।

ष्बड़ी हो गयी होगी मेरी बेटी, ष्सोच कर उसका मन भावुक हो गया।

काश एक बार देख पाते अपनी गुड़िया को। पता नहीं वह मिलना भी चाहेगी कि नहीं। वह तो यही जानती है कि मैंने ही उसकी माँ को मारा है।

भारी कदमों से उसने अनाथ आश्रम की ओर रुख किया।

वह अनाथ आश्रम के गेट पर खड़ा था।

लगता है यहाँ किसी की शादी है इतनी सजावट।

चौकीदार से पूछने पर पता चला कि यहाँ आज अनाथालय की बेटियों का सामूहिक विवाह हो रहा है। उसने कार्यालय में जाकर बेटी के बारे में पूछा। वह पहले उससे कभी मिलने नहीं आया न कभी बात हुयी। पैसे के जिक्र का भी मना कर रखा था। पता चला आज उसकी बेटी की भी शादी है। एक तरफ़ पिता का हृदय भाव विह्वल हो रहा था दूसरी ओर असमंजस की स्थिति में था कि बेटी की प्रतिक्रिया कैसी होगी। फ़िलहाल उसने वापसी का मन बना लिया।

अनाथ आश्रम के फाटक से बाहर कदम रख रहा था कि पीछे से आवाज़ आई

ष्पापा अपनी गुड़िया का कन्यादान नहीं करेंगेष

वह वापस पलटा सामने खड़ी बेटी का हाथ पकड़ कर फूट फूट कर बच्चों की तरह रो पड़ा। वहाँ सबकी आँखें नम हो गयीं।

हाँ पापा हमें नानी ने सब बता दिया था आपकी कोई गलती नहीं थी।

आज वह सचमुच रिहा हो गया था।

ग़ज़ल

कोई सलाह कोई मशविरा नहीं होता।
अगर दिलों में कोई राबिता नहीं होता।

घृणा की और विभाजन की आग धुँधके तो।
अमन सुकून का पौधा हरा नहीं होता।

वहाँ भी खुशबुएँ बेहद उदास होती हैं।
खुशी की गोद में सब कुछ खिला नहीं होता।

हर इक कदम पे मुसीबत पहाड़ हो जातीं।
दुआ के साथ अगर हौसला नहीं होता।

चलो पतंगें उड़ाएँ खुली हवाओं में।
घुटन में ऊब में कुछ भी भला नहीं होता।

– डॉ० अवनीश यादव
पी०ई०एस०
(प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग)
उत्तर प्रदेश

क्या आलिया ने की पाकिस्तानी ब्रांड की मार्केटिंग ? वायरल तस्वीरें देख भड़के यूजर्स

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अगली फिल्म की तैयारियों में व्यस्त हैं, लेकिन इस बीच सोशल मीडिया पर एक पोस्ट काफी वायरल हो रही हैं, जिनकी वजह से पोस्ट में ना होते हुए भी एक्ट्रेस सुर्खियों में आ गई हैं। इन पोस्ट के चलते अब ऑनलाइन विवाद भी शुरू हो गया है। दरअसल, एक पाकिस्तानी कपड़ों के ब्रांड ने अपने प्रोडक्ट्स को प्रमोट करने के लिए आलिया भट्ट की तस्वीरों का इस्तेमाल किया। पहली नजर में ये तस्वीरें बिल्कुल असली लग रही थीं, जैसे आलिया ने खुद उस ब्रांड के लिए फोटोशूट किया हो। लेकिन बाद में पता चला कि ये तस्वीरें असली नहीं थीं, बल्कि एआई और एडिटिंग की मदद से बनाई गई थीं। ब्रांड ने इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा कि 'आलिया भट्ट को हमारी कलेक्शन पसंद है', और लोगों से ऑर्डर करने के लिए भी कहा। लेकिन फैंस ने जल्दी ही

> कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि क्या आलिया को इस बारे में पता भी है या नहीं, और बिना उनकी इजाजत उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल करना गलत बताया। एक यूजर ने कमेंट किया- 'ये एक फैक एआई चीप मार्केटिंग है।'

पहचान लिया कि ये तस्वीरें फर्जी हैं और अलग–अलग पुराने फोटोशूट्स से एडिट करके बनाई गई हैं। जैसे ही सच्चाई सामने आई, सोशल मीडिया पर लोगों ने ब्रांड को जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि क्या आलिया को इस बारे में पता भी है या नहीं, और बिना उनकी इजाजत उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल करना गलत बताया। एक यूजर ने कमेंट किया– 'ये एक फैक एआई चीप मार्केटिंग है।' दूसरे यूजर ने लिखा– 'वो आप पर केस कर देंगी।' हालांकि इन कमेंट्स का ब्रांड पर कोई फर्क नहीं पड़ा। केस करने वाले कमेंट पर उन्होंने बिना डरे रिप्लाई दिया– 'वो नहीं करेंगी।' वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया की पाइपलाइन में स्पाई–यूनिवर्स की 'अल्फा' और संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनने वाली 'लव एंड वॉर' दो बड़ी फिल्में हैं। 'लव एंड वॉर' में उनके साथ पति रणबीर कपूर और अभिनेता विक्की कौशल भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आखिरी सवाल का दमदार पोस्टर आउट, संजय दत्त के इंटेंस लुक ने बढ़ाई एक्साइटमेंट

निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त द्वारा निर्मित आखिरी सवाल में कलाकारों की एक दमदार फौज नजर आने वाली है, जिसमें संजय दत्त के साथ अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, त्रिधा चौधरी और नीतू चंद्रा शामिल हैं। नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। संजय दत्त स्टारर आखिरी सवाल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभर रही है। जब से इस प्रोजेक्ट का ऐलान हुआ है, इसे लेकर काफी चर्चा है और हाल ही में आए इसके टीजर ने एक्साइटमेंट को और भी बढ़ा दिया है। फिल्म की एक झलक ही काफी दमदार और सोचने पर मजबूर कर देने वाली है, जिसे देखकर लगता है कि यह असली घटनाओं से प्रेरित है और कुछ सबसे विवादित और चर्चा में रहने वाले विषयों को दिखाती है। अब, फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने एक बहुत ही पावरफुल पोस्टर शेयर किया है। इस इंटेंस पोस्टर में संजय दत्त सबसे आगे बैठे नजर आ रहे हैं और उनके पीछे लोगों से भरा एक कमरा दिख रहा है, जो उनके दबदबे और फिल्म के रहस्य को दर्शाता है। पोस्टर की सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि वह एक किताब के ठीक सामने बैठे हैं जिस पर आरएसएस लिखा है। यह साफ तौर पर फिल्म की निडर कहानी और संजय दत्त के जटिल व ताकतवर किरदार की ओर इशारा करता है। यह विजुअल एक बहुत ही गंभीर माहौल बनाता है, जिससे संकेत मिलता है कि फिल्म कई परतों वाली कहानी और विवादित मुद्दों को गहराई से छूने वाली है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर से पता चलता है कि यह फिल्म भारत के इतिहास के कुछ सबसे बड़े मोड़ों को गहराई से दिखाएगी, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर लगा बैन, बाबरी मस्जिद विध्वंस और महात्मा गांधी की हत्या जैसी घटनाएं शामिल हैं। यह दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठनों में से एक के सफर को एक ऐसे नजरिए से दिखाती है जो पहले कभी नहीं देखा गया। कई गंभीर सवाल उठाते हुए, फिल्म का मकसद पुरानी कहानियों को चुनौती देना और दर्शकों को पर्दे पर गहरी सच्चाइयों के करीब लाना है। आखिरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा पेश की गई इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके को–प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी है जवानी तो इश्क होना है ? डायरेक्टर बोले- `अब मैं बस वरुण का पापा रहूंगा'

हाल ही में है जवानी तो इश्क होना है फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म जल्द ही थिएटर्स में रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले डेविड ने अपने करियर से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया है, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जानिए उन्होंने क्या कहा। एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में डेविड धवन ने कहा कि है जवानी तो इश्क होना है फिल्म उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है। अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब मुझे और फिल्में करना चाहिए। ये मेरी आखिरी फिल्म हो सकती है। इसके बाद मैं बस वरुण का पिता रहूंगा।' तीन दशकों से भी ज्यादा लंबे करियर और 45 से ज्यादा फिल्मों के साथ, डेविड धवन ने अपने सफर को लेकर संतुष्टि जताई। उन्होंने संजय दत्त, अनिल कपूर, गोविंदा और सलमान खान जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है। धवन ने अपने मेंटर, फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर मनमोहन देसाई को अपने फिल्ममेकिंग स्टाइल को बनाने का श्रेय दिया। है जवानी तो इश्क होना है फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसका निर्देशन वरुण धवन के पिता व दिग्गज निर्देशक डेविड धवन ने किया है। मैं तेरा हीरो और जुड़वा 2 के बाद वरुण और डेविड की पिता–पुत्र की जोड़ी की ये तीसरी फिल्म है। मूवी में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेग्डे लीड रोल में नजर आएंगे।

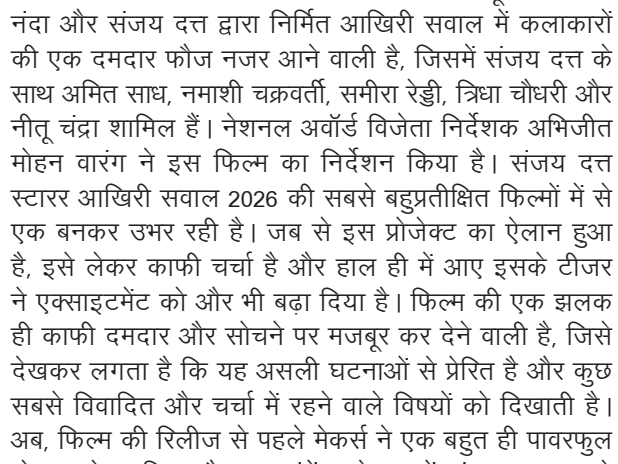

पैन–इंडिया 'नागबंधम' का दूसरा गीत 'सुरा सुरा' रिलीज, हाई–एनर्जी म्यूजिकल एक्सपीरियंस से मचाई धूम

बहुप्रतीक्षित पैन–इंडिया फिल्म 'नागबंधम' का दूसरा सिंगल 'सुरा सुरा' रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गया है। अपनी दमदार बीट्स, ऊर्जावान प्रस्तुति और सांस्कृतिक रंगों से सजा यह गीत दर्शकों को फिल्म की भव्यता और इसकी प्रभावशाली कहानी की झलक देता है। रिलीज के साथ ही इस ट्रैक ने संगीत प्रेमियों के बीच खास उत्साह पैदा कर दिया है।'सुरा सुरा' को संगीतकार जोड़ी जुनैद कुमार,अभे ने कंपोज किया है, जिन्होंने पारंपरिक संगीत तत्वों को आधुनिक साउंड डिजाइन के साथ खूबसूरती से पिरोया है। यह फ्यूजन गीत को एक अलग पहचान देता है और सुनने वालों को एक नया म्यूजिकल अनुभव प्रदान करता है। गाने को नकाश अजीज, रितेश जी राव, नदाप्रिया और बृंदा ने अपनी दमदार आवाजों से सजाया है, वहीं विमल कश्यप के बोल गीत में गहराई और भावनात्मक जुड़ाव पैदा करते हैं। संगीत संयोजन और प्रोग्रामिंग की जिम्मेदारी खुद जुनैद कुमार ने संभाली है, जबकि अतिरिक्त प्रोग्रामिंग क्रांति संजय बोब्बिली ने की है। हेमंत कश्यप द्वारा बजाए गए वायलिन पीसेज गीत की भावनात्मक परतों को और समृद्ध बनाते हैं। इसके साथ ही बैकिंग वोकल्स की मजबूत टीम इस ट्रैक के स्केल और प्रभाव को और बढ़ाती है। गीत का लिरिकल वीडियो भी अपने विजुअल्स के जरिए गाने की ऊर्जा और थीम को खूबसूरती से प्रस्तुत करता है, जो दर्शकों के लिए इसे और भी आकर्षक बनाता है। फिल्म 'नागबंधम' में विराट कर्णा, ऋषभ साहनी, नाभा नटेश, ईश्वरीया मेनन, महेश मांजरेकर और जगपति बाबू जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की खास बात यह है कि इसके सभी किरदार देशभर के दर्शकों से जुड़ाव स्थापित करने की क्षमता रखते हैं। 'नागबंधम' भारत कीसांस्कृतिक विविधता और आध्यात्मिक विरासत को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने का प्रयास करती है, जो आधुनिक भारतीय सिनेमा में एक अहम योगदान साबित हो सकती है।'सुरा सुरा' के रिलीज के साथ ही फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है। दमदार संगीत और मजबूत कहानी के साथ 'नागबंधम' एक भव्य सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। आने वाले दिनों में यह गीत म्यूजिक चार्ट्स पर अपनी खास जगह बनाने की पूरी संभावना रखता है।

स्वयंभू का गाना आजा धीरारा छाया! सिंगर स्वरूप खान ने रवि बसरूर संग काम करने पर जताई खुशी

असली घटनाओं से प्रेरित, डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी अपनी फिल्म स्वयंभू के जरिए भारत के उस सुनहरे इतिहास को पर्दे पर वापस ला रहे हैं, जो परंपरा, साहस और गर्व की जड़ों से जुड़ा है। इस कहानी के केंद्र में सेंगोल (राजदंड) है, जिसे न्यायपूर्ण शासन का एक शक्तिशाली प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि यह सेंगोल भगवान राम ने अपने उत्तराधिकारियों को सौंपा था, और यही विरासत, सम्मान और सांस्कृतिक गहराई इस फिल्म की जान है। रिलीज से पहले ही स्वयंभू को लेकर जबरदस्त चर्चा बनी हुई है और कार्तिकेय 2 फेम निखिल सिद्धार्थ की यह फिल्म 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभर रही है। फिल्म के टीजर ने अपने भव्य विजुअल्स, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और दमदार एक्शन के साथ पहले ही दर्शकों को प्रभावित कर दिया है। इसे 18 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं, जिसने फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। ह्इसी बीच, मेकर्स ने फिल्म का वॉर–क्राय ट्रैक आजा धीरारा रिलीज किया है, जिसे फैंस का भरपूर प्यार मिल रहा है और इसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। अपनी पावरफुल एनर्जी और जोश के कारण यह हाई–ऑक्टेन गाना तेजी से लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। अब टीम ने सोशल मीडिया पर इस गाने के सिंगर स्वरूप खान का एक खास वीडियो शेयर किया है। इस क्लिप में उन्होंने आजा धीरारा का हिंदी वर्जन गाने और अपने पसंदीदा म्यूजिक कंपोजर रवि बसरूर के साथ काम करने पर अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने स्वयंभू को सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बताया और फिल्म के डायरेक्टर व लीड कास्ट की भी जमकर तारीफ की। वास्तविक ऐतिहासिक प्रेरणाओं से प्रेरित, स्वयंभू को निर्देशक भरत कृष्णमाचारी ने भारत के स्वर्ण युग के प्रति एक भव्य श्रद्धांजलि के रूप में तैयार किया है। यह वह समय था जब भारत चीन, रोम, ग्रीस और दक्षिण–पूर्व एशिया के साथ व्यापारिक संबंधों के साथ एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में खड़ा था। गहरे शोध पर आधारित यह फिल्म हमारी विरासत, साहस और सांस्कृतिक गौरव का जश्न मनाती है। इसके केंद्र में सेंगोल (राजदंड) है, जो न्यायपूर्ण शासन का एक पवित्र प्रतीक है और जिसका संबंध भगवान राम से माना जाता है, जो विरासत और धर्म का प्रतिनिधित्व करता है। फिल्म की कहानी एक शक्तिशाली योद्धा के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसे निखिल सिद्धार्थ निभा रहे हैं। यह किरदार चोल राजवंश के प्रतिष्ठित नौसेना नायकों से प्रेरित है। अपनी सटीक रणनीति और समुद्रों पर बेजोड़ पकड़ के साथ, वह साम्राज्य को एक अजेय समुद्री और सांस्कृतिक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। घफिल्म में इंडस्ट्री के बेहतरीन तकनीशियनों और क्रिएटिव दिग्गजों की एक असाधारण टीम साथ आई है। भरत कृष्णमाचारी के निर्देशन में बन रहे इस प्रोजेक्ट में केजीएफ और सालार फेम रवि बसरूर का संगीत है, बाहुबली और आरआरआर के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार के शानदार विजुअल्स हैं, और बाहुबली फेम तम्मीराजू की एडिटिंग है। इनके साथ ही कई अन्य प्रसिद्ध कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। 170 दिनों के लंबे शूटिंग शेड्यूल के साथ, यह प्रोजेक्ट हाल के समय के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोडक्शंस में से एक है। स्वयंभू का निर्माण पिक्सेल स्टूडियोज के भुवन और श्रीकर ने किया है। भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी कालातीत महिमा को समर्पित यह महाकाव्य फिल्म गर्मी 2026 में दुनिया भर में रिलीज के लिए तैयार है।

तेज धूप और गर्मी से होने लगता है सिरदर्द तो अपनाएं ये घरेलू उपाय, तुरंत मिलेगी राहत

तेज धूप और गर्मी की वजह से अक्सर कई लोगों को सिर दर्द परेशान करने लगता है। तापमान में बढ़ती गर्मी लोगों के लिए डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं का कारण बनने लगती है। अगर आप भी गर्मी की वजह से तेज सिरदर्द की शिकायत करते हैं तो ये घरेलू उपाय आजमाकर अपनी परेशानी दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे बिना दवा खाएं भी गर्मी से होने वाले सिरदर्द को दूर किया जा सकता है।

गर्मी से होने वाले सिरदर्द को दूर करने के लिए घरेलू उपाय–

पालक–

अगर गर्मी की वजह से आपके सिर में दर्द हो रहा है तो मैग्घ्नध्शिध्यिम रिच फूड का सेवन करें। इसके लिए अपने आहार में पालक जैसी हरी सब्जियों को शामिल करें। एक कप पालक में लगभग 23 मिलीग्राम मैग्नशियम मौजूद होता है। मैग्निशयम का सेवन करने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल भी कंट्रोल में रहता है। जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या रहती है डॉक्टर भी उन्हें मैग्नशियम रिच फूड खाने की सलाह देते हैं।

तरबूज का जूस–

गर्मियों में कई बार डध्हाइड्रेशन की वजह से भी व्यक्ति को सिर दर्द की समस्या परेशान कर सकती है। ऐसे में तरबूज का जूस पीने से फायदा मिलता है। तरबूज में लगभग 92 प्रतिशत पानी मौजूद होता है। जो बॉडी को हाइड्रेट रखने के साथ सध्रि दर्द दूर करने में भी मदद करता है। तरबूज में जरूरी न्यूट्रिएंट्स जैसे पोटैशध्यिम और मैग्निशयम मौजूद होने की वजह से यह सिर दर्द ठीक करने में मदद करता है। सिरदर्द ठीक करने के लिए आप तरबूज के जूस के अलावा सादा पानी भी पी सकते हैं।

दही–

धूप और गर्मी से होने वाले सिर दर्द को ठीक करने के लिए आप दही का सेवन कर सकते हैं। दही में मौजूद रिबोफ्लेविन और कैल्शियम सिर दर्द दूर करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में दूध, दही, छाछ जैसी चीजों को शामिल करें।

गर्मियों में होने वाले सिरदर्द को दूर करने के लिए आप एसेंशध्यिल ऑयल से भी सिर की मसाज कर सकते हैं। ऐसा करने से नध सिर्फ सध्रि का दर्द दूर होगा बल्ध्कध्ि आप रध्लैक्ध्स भी महसूस करेंगे। सध्रि दर्द ठीक करने के लिए आप लैवेंडर और पध्परमध्टि ऑयल को दूसरे तेल में मध्क्ध्स करके सध्रि पर मसाज करें।

बच्चे की हाइट को लेकर रहती हैं परेशान तो डाइट में शामिल करें ये 2 जूस, कॉन्फिडेंस हो जाएगा डबल

बढ़ती उम्र के साथ बच्चों के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। जिसमें से एक बच्चे की हाइट और वजन का बढ़ना भी शामिल है। माता–पिता अक्सर अपने बढ़ते बच्चों की हाइट को लेकर परेशान रहते हैं। बच्चे की एक उम्र के बाद पेरेंट्स को लगने लगता है कि उनके बच्चे की हाइट बढ़ नहीं रही है और यही बात उनके मन को लगातार परेशान करती रहती है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि कम हाइट बच्चे का आत्मविश्वास भी कम कर सकती है। ऐसे में बच्चे की हाइट प्राकृतिक रूप से बढ़ने के लिए उसे सप्लीमेंट्स और ड्राई फ्रूट्स नहीं बल्कि ये दो जूस रोजाना पिलाएं।

बच्चों की हाइट बढ़ाने में मदद कर सकते हैं ये जूस–

पालक जूस–

बच्चों को नियमित रूप से पालक का जूस पिलाने से उनकी इम्यूनिटी स्ट्रॉग बनने के साथ वजन बढ़ता है और आंखों की रोशनी भी तेज होती है। इसके अलावा पालक का जूस बच्चों की हाइट बढ़ाने में भी बेहद फायदेमंद होता है। पालक का जूस बनाने के लिए सबसे पहले पालक को धोकर काट लें। इसके बाद इसमें बच्चे की पसंद का कोई भी एक फल काटकर मिक्सी में ब्लेंड कर लें। अब इस पालक की प्यूरी को छानकर नींबू का रस और नमक मिलाकर बच्चे को पीने के लिए दें।

एवोकाडो का जूस–

एवोकाडो हाई हाई कैलोरी फल है, जिसमें फाइबर के साथ कई अन्य पोषक तत्वों की प्रचूरता होती है। एवोकाडो का सेवन करने से बच्चे का वजन बढ़ाने के साथ उसकी पाचन संबंधी समस्या भी दूर होती है। एवोकाडो बच्चों की आंखों की रोशनी को भी बढ़ाने में मदद करता है।एवोकाडो का जूस बनाने के लिए सबसे पहले एवोकाडो को धोकर छीलने के बाद मिक्सी में डालकर उसमें नींबू का रस और शहद मिलाकर ब्लेंड कर लें। एवोकाडो जूस बनकर तैयार है।

सिर्फ 40 दिनों के लिए मिलता है यह खास फल ,फायदे जान रह जाएंगे हैरान

गर्मियों के मौसम में कुछ ऐसे फल आते हैं जो बहुत कम समय के लिए बाजार में दिखाई देते हैं, लेकिन सेहत के लिहाज से बेहद फायदेमंद होते हैं। ऐसा ही एक छोटा सा लेकिन गुणों से भरपूर फल है फालसा, जो आमतौर पर सिर्फ 40 से 45 दिनों के लिए ही मिलता है। मटर के दाने जितना छोटा यह फल अपने खट्टे–मीठे स्वाद के लिए लोगों के बीच खासा पसंद किया जाता है। चालिए आपके इस खास फल के खूबियां बताते हैं।

गर्मी में शरीर को देता है ठंडक और राहत

फालसा को गर्मियों का नेचुरल कूलिंग फ्रूट माना जाता है। इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है। तेज धूप और लू के मौसम में इसका सेवन शरीर को ठंडक देता है और डिहाइड्रेशन से बचाव करता है। यही वजह है कि इसे गर्मियों में एक बेहतरीन फल माना जाता है।

छोटे आकार में बड़े फायदे

भले ही फालसा आकार में छोटा होता है, लेकिन इसके फायदे बड़े हैं। यह विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और कई जरूरी मिनरल्स से भरपूर होता है। ये पोषक तत्व शरीर की रोग–प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। गर्मियों में होने वाली थकान और कमजोरी को कम करने में भी यह काफी असरदार माना जाता है।

पाचन तंत्र के लिए भी बेहद फायदेमंद

फालसा पेट के लिए भी बहुत लाभकारी है। यह पेट को ठंडक पहुंचाता है और एसिडिटी, जलन व कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से पाचन तंत्र बेहतर होता है और शरीर हल्का महसूस करता है।

फालसा का शरबत भी है बेहद लोकप्रिय

फालसा को सिर्फ फल की तरह ही नहीं, बल्कि इसके शरबत के रूप में भी काफी पसंद किया जाता है। इसका जूस शरीर को तुरंत एनर्जी देता है और गर्मी से राहत पहुंचाता है। स्वाद और सेहत का यह मेल इसे और भी खास बना देता है।

कैसे बनाएं घर पर फालसा शरबत

फालसा शरबत बनाना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले ताजे फालसे को अच्छे से धोकर हल्का मसल लें या मिक्सर में थोड़ा पानी डालकर पीस लें। इसके बाद इसे छानकर बीज अलग कर लें। अब इसमें स्वादानुसार चीनी या गुड़ मिलाएं, साथ में थोड़ा काला नमक और भुना जीरा पाउडर डाल सकते हैं। अच्छे से मिलाकर इसे ठंडा करें या बर्फ डालकर सर्व करें। गर्मी में यह शरबत शरीर को तुरंत ताजगी और राहत देता है।

कम समय में मिलने वाला, लेकिन सेहत का खजाना

फालसा भले ही बाजार में थोड़े समय के लिए आता है, लेकिन इसके फायदे लंबे समय तक याद रहते हैं। अगर यह फल आपको बाजार में दिखे तो इसे नजरअंदाज न करें। थोड़ी मात्रा में नियमित सेवन भी शरीर को फिट, ठंडा और एनर्जेटिक बनाए रखने में मदद कर सकता है।

बढ़ती गर्मी कहीं बढ़ा न दे हीट स्ट्रोक का खतरा

अप्रैल का महीना अभी आधा खत्म ही हुआ है कि गर्मी से लोगों का बाल बेहाल होने लगा है। हाल ही में मुंबई से 11 लोगों की मौत की खबरे सामने आई है, जिसमें मृत्यू की वजह हीट स्ट्रोक बताई जा रही है। देश के कई इलाकों में पारा 40 के पार पहुंच चुका है। इस मौसम में लोगों को लू लगने का खतरा हो सकता है। ये तब होता है जब आपका शरीर अपने तापमान को कंट्रोल नहीं कर पाता। जब किसी को लू लगती है तो शरीर का स्वेटिंग मैकेनिज्म यानी पसीना तंत्र भी फेल हो जाता है और फिर व्यक्ति को बिल्कुल पसीना नहीं आता। हीट स्ट्रोक का समय पर इलाज ना मिले तो इससे व्यक्ति की मौत या फिर ऑर्गन फेल हो सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं लू लगने से बचाव के तरीके।

हीट स्ट्रोक या लू से कैसे करें बचाव

तेज धूप में बाहर ना निकलें

लू से बचाव के लिए तेज धूप में बाहर जाने से बचें। खासकर सुबह 10 बजे से 4 बजे के बीच। तेज धूप के दौरान भारी व्यायाम और खेलकूद करने से बचें। इसके अलावा, अपने शरीर को तापमान में बदलाव के साथ तालमेल बिठाने के लिए कुछ समय दें, खासकर ठंडे, एसी कमरे में रहने के बाद।

खान पान का रखें ख्याल

गर्मियों में फैट युक्त, मसालेदार और शक्कर युक्त खाने से बचें। इस तरह का खाना शरीर के तापमान को नियंत्रित करने वाली प्रणाली के कामकाज को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

धूप में निकलने से पहले

शरीर में फ्लूइड की मात्रा को पूरा करने के लिए सिर्फ ताजे पानी पर डिपेंड ना रहें। ठंडा दूध, नारियल पानी जैसे ड्रिंक जरूर पिएं। अगर किसी कारण से तेज गर्मी में घर से बाहर निकलना पड़े तो नींबू पानी या इलेक्ट्रॉल पीकर निकलें।

सही कपड़े पहनें

गर्मी में कम्फर्टबल कपड़े पहनना जरूरी है। धूप में निकलने से पहले कॉटन के कपड़े पहनें और फुल बाजू के कपड़े पहनें। तौलिया या सूती स्कार्फ से अपने कान जरूर कवर करके रखें। कान ढंके रहने पर शरीर का तापमान नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

लू लगने पर क्या करें

लू लगने से बचाव के लिए सबसे पहले ठंडी जगह पर लेट जाएं। ध्यान रखें की एसी को बहुत तेज ना करें। शरीर को हवा लगने दें। ताजा पानी पीए और इसके अलावा इलेक्ट्रॉल घोल, नींबू पानी, सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है। शरीर का तापमान नियंत्रित होने पर ताजे पानी से नहाएं।

एक महीना लगातार इसबगोल खाएंगे तो शरीर पर क्या होगा असर? आज समझ लीजिए पूरी बात

भारतीय घरों में इसबगोल सदियों से एक भरोसेमंद घरेलू नुस्खा रहा है। यह मुख्य रूप से अपने उच्च फाइबर गुणों के कारण जाना जाता है और लगभग हर रसोई या दवा के डिब्बे में पाया जाता है। इसे कब्ज के लिए एक प्राकृतिक उपाय के तौर पर और पेट साफ होने की प्रक्रिया को नियमित बनाने के लिए बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि इसके फायदे हमारी सोच से कहीं ज्यादा हैं, 20 साल से ज्यादा का अनुभव रखने वाले फिटनेस कोच डैन गो ने इसके एक नहीं ढेर सारे फायदे बताए।

दिन में तीन बार किया ईसबगोल का सेवन

डैन ने बताया कि उन्होंने 28 दिनों तक दिन में तीन बार दो बड़े चम्मच इसबगोल लिया, और इसका जो असर हुआ वह उनकी उम्मीद के मुताबिक बिल्कुल नहीं था। उन्होंने लिखा–मैंने साइलियम हस्क की अधिकतम खुराक ली थी, लेकिन मुझे इस तरह के नतीजे की उम्मीद नहीं थी। फिटनेस कोच ने 28 दिनों का एक आसान प्रोटोकॉल अपनाया, जिसके तहत उन्होंने लगातार 20 दिनों तक, दिन में तीन बार हर भोजन से पहलेदो बड़े चम्मच ईसबगोल का सेवन किया। इसका नतीजा यह हुआ कि उन्हें अकेले ईसबगोल से ही प्रतिदिन लगभग 48 से 56 ग्राम फाइबर मिला।

इसबगोल के साथ पानी लेना ना भूलें

परफॉर्मेंस कोच डैन गो ने विस्तार से बताते हुए लिखा– मेरा 28 दिन का प्रोटोकॉल बहुत आसान था, हर खाने से पहले 2 बड़े चम्मच इसबगोल की भूसी, दिन में 3 बार लगातार 28 दिनों तक। यानी, सिर्फ इसबगोल की भूसी से रोजाना 48,56 ग्राम फाइबर मिलता था। उन्होंने लिखा–पहले और दूसरे दिन काफी मुश्किल रहे। मुझे बहुत थकान महसूस हो रही थी और समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों हो रहा है। फिर मुझे एहसास हुआ कि मैं काफी पानी नहीं पी रहा था। इसबगोल अपना काम करते समय बहुत सारा पानी सोख लेता है। जैसे ही मैंने पानी पीना बढ़ाया, एक ही दिन में मेरी थकान दूर हो गई। बिना पानी के इसबगोल की भूसी लेना बहुत मुश्किल हो सकता है।

पेट की सभी परेशानी हो गई खत्म

डैन गो आगे लिखते हैं– तीसरे दिन से अच्छे नतीजे दिखने शुरू हो गए। मेरी भूख काफी कम हो गई थी। दो खानों के बीच मुझे पेट भरा हुआ महसूस होता था, मुझे कुछ भी हल्का–फुल्का खाने की जरूरत महसूस नहीं होती थी, और खाने की तलब भी कम हो गई थी। मैं जान–बूझकर कम खाने की कोशिश नहीं कर रहा था। बस मेरा खाने का मन ही नहीं करता था। इसी समय, 46 साल की उम्र में, मेरे पेट की मांसपेशियां (इ) भी वापस आ गईं। यह कोई इत्तेफाक नहीं था। चौथे दिन से आगे, मेरा पेट एकदम साफ होने लगा। पहले मैं दिन में एक बार पेट साफ करता था, लेकिन अब एक तय समय पर दिन में दो बार पेट साफ होने लगा।

पेट फूलना भी हो गया ठीक

डैन गो ने लिखा– सातवें दिन तक, मेरा पाचन पिछले कई सालों में सबसे ज्यादा बेहतर हो गया था। खाने के बाद मुझे बहुत ज्यादा गैस बनती थी। मेरी पत्नी को लगता था कि यह तो मेरी आदत ही है। लेकिन असल में, मेरे पेट में कुछ गड़बड़ थी। इसबगोल ने उसे ठीक कर दिया। गैस कम बनी। पेट फूलना कम हो गया। मेरे पेट में एक ऐसी शांति और सुकून महसूस हुआ, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था कि वह पहले गायब थी। इस प्रयोग ने मेरे काम करने का तरीका ही बदल दिया, खासकर अपने क्लाइंट्स के साथ काम करने का तरीका। मैं पहले दो चीजों पर नजर रखता थारू कैलोरी और प्रोटीन। 21 दिनों तक इसबगोल लेने के बाद, मैंने इसमें एक तीसरी चीज भी जोड़ दीरू कैलोरी, प्रोटीन और अब, फाइबर। उन्होंने अंत में लिखा–साइलियम हस्क दुनिया के सबसे कम आंके जाने वाले सप्लीमेंट्स में से एक है। मैं इसे अपनी रोज की डाइट में शामिल रखूंगा। इसके फायदे इतने जबरदस्त हैं कि इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

संक्षिप्त

मैं खुद को भारतीयों से जुड़ा हुआ महसूस करता हूं–जोकोविच

नई दिल्ली,एजेंसी। टेनिस के महान खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कोहली की वजह से ही उन्होंने क्रिकेट देखना शुरू किया। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स के दौरान जोकोविच ने कहा, विराट मेरे दोस्त हैं और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। सच कहूं तो उन्हीं की वजह से मैंने क्रिकेट को फॉलो करना शुरू किया। पहले मैं इसे नहीं देखता था, लेकिन उनके जरिए मेरी रुचि बढ़ी। जोकोविच ने अपनी खास इच्छा भी जाहिर की कि जब वह भारत आएं तो कोहली उनके साथ समय बिताएं। उन्होंने टाइम्स नाऊ से बातचीत में कहा, हम संपर्क में रहते हैं और उम्मीद है कि जब मैं भारत आऊंगा, मैं अगर नहीं कहना चाहता, जब आऊंगा, तो उम्मीद है कि वह मेरे साथ जुड़ेंगे। हम थोड़ा टेनिस और थोड़ा क्रिकेट खेलेंगे, मजा करेंगे और खेल के जरिए सकारात्मक ऊर्जा फैलाएंगे। जोकोविच ने भारतीय फैंस के लिए अपना प्यार भी जताया और जल्द भारत आने की इच्छा दोहराई। उन्होंने कहा, मेरा संदेश हमेशा प्यार, सम्मान और आभार का होता है। मुझे वर्षों से भारतीय फैंस का जबरदस्त समर्थन मिला है। मैं जल्द ही भारत आना चाहता हूं। पिछले कुछ वर्षों से मुझे वहां आने का एक अलग ही आकर्षण महसूस हो रहा है। 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके जोकोविच ने यह भी संकेत दिया कि वह भारत में किसी इवेंट या मैच का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं भारत में कोई इवेंट होस्ट करना चाहता हूं या मैच खेलना चाहता हूं। मुझे भारतीय लोगों से खास जुड़ाव महसूस होता है। जोकोविच ने टेनिस की नई प्रतिद्वंद्विता पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की प्रतिस्पर्धा को खास बताया, लेकिन 'बिग थ्री' को सबसे महान माना। उन्होंने कहा, सिनर और अल्काराज की राइवलरी शानदार है, लेकिन मेरे लिए बिग थ्री हमेशा सबसे महान रहेंगे। बिग थ्री जोकोविच, फेडरर और नडाल की तिकड़ी को कहा जाता है।

तेल की कीमतों में नरमी से भारत को व्यापार घाटे में मिलेगी राहत

नई दिल्ली,एजेंसी। कई देशों के साथ व्यापार समझौते और कच्चे तेल की कीमतों में हालिया तेजी के बाद आने वाली नरमी से भारत को रिकॉर्ड व्यापार घाटे के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक रिपोर्ट में कहा, प्रमुख रूप से सोने और चांदी के आयात में वृद्धि से वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 333.3 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। अगर भू–राजनीतिक मोर्चे पर हालात नियंत्रित रहते हैं और कच्चे तेल की कीमतें नीचे आती हैं, तो आने वाले महीनों में भारत के व्यापार घाटे में कमी आने की उम्मीद है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद उपजे वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के आर्थिक बुनियादी आधार स्थिर बने हुए हैं। भू–राजनीतिक बाधाएं जैसे–जैसे दूर होंगी और विभिन्न देशों से नए व्यापार समझौतों का समर्थन मिलेगा, भारत के बाहरी क्षेत्र के प्रदर्शन में काफी सुधार होने की उम्मीद है। इससे न सिर्फ देश का निर्यात बढ़ेगा, बल्कि कमोडिटी की कीमतों में नरमी से आयात बिल में कमी आएगी और व्यापार घाटे के मोर्चे पर राहत मिलेगी। हालांकि, अगर ये बाधाएं बनी रहती हैं एवं कच्चे तेल समेत कमोडिटी की कीमतें और ऊपर जाती हैं, तो देश के चालू खाता घाटे पर दबाव बढ़ सकता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026–27 में चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.5 से 2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025–26 के दौरान भारत से 441.7 अरब डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया गया, जो सिर्फ 0.9 फीसदी की वृद्धि दिखाता है। 2024–25 में यह 0.2 फीसदी बढ़ा था। आयात भी 721 अरब डॉलर के मुकाबले बढ़कर 775 अरब डॉलर पहुंच गया। इस तरह, कुल व्यापार घाटा बढ़कर 333 अरब डॉलर के पार पहुंच गया।

सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 400 अंकों की बढ़त

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भू–राजनीतिक तनाव के बीच भारतीय शेयर बाजारों में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की गई। अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत की खबरों और ब्रेंट क्रूड ऑयल के 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आने के कारण बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला है। निवेशकों को उम्मीद है कि राजनयिक प्रयासों से जल्द ही मौजूदा वैश्विक संघर्ष का समाधान निकल सकता है। सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार में 400 अंक से अधिक की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, निफ्टी 24,450 के पार के पार चला गया है। अदाणी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर दो फीसदी तक चढ़े हैं। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 445.82 अंक चढ़कर 78,966.12 पर पहुंच गया। निफ्टी 121.15 अंक बढ़कर 24,486 के स्तर पर पहुंचने में सफल रहा। सेंसेक्स की 30 कंपनियों के समूह में से एक्सिस बैंक, इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, आईटी और सीमेंट सेक्टर में दबाव देखा गया, जहां इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर शुरुआती कारोबार में पिछड़ गए।

फिक्सिंग के साए में यह मुकाबला, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े तार

नई दिल्ली,एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कनाडा टीम से जुड़े फिक्सिंग कांड की जांच पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल द्वारा शुरू की जा चुकी है, लेकिन अब इस मामले में कई हैरान करने वाले खुलासे सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप स्टेज मैच के दौरान कथित फिक्सिंग में लॉरेंस बिश्नोई गैंग की सीधी भूमिका सामने आई है। आईसीसी की एंटी–करप्शन यूनिट इस मामले में कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा की भूमिका की जांच कर रही है। दरअसल, आईसीसी की एसीयू ने हाल ही में प्रसारित श्करप्शन, क्राइम एंड क्रिकेटश नाम की 43 मिनट की डॉक्यूमेंट्री में किए गए दावों के बाद क्रिकेट कनाडा के खिलाफ जांच शुरू की थी। इस डॉक्यूमेंट्री को कनाडा के खोजी कार्यक्रम द फिफ्थ एस्टेट ने बनाया था और कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन पर प्रसारित किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के भीतर भ्रष्टाचार, खराब प्रबंधन और अन्य अनियमितताओं के दावों का विस्तार से जिक्र किया गया है।

डॉक्यूमेंट्री में बताया गया है कि कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा पहली बार तब संदेह के घेरे में आए, जब उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ एक बेहद महंगा और असामान्य ओवर डाला। सीबीसी ने बताया कि इस खुलासे के बाद स्पॉट–फिक्सिंग की आशंका के चलते एसीयू ने उनसे पूछताछ की और उनका मोबाइल फोन भी खंगाला। जांच अभी जारी है और इस पूरे मामले की गहराई से पड़ताल की जा रही है। कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में 17 फरवरी को खेला गया था। पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद कनाडा ने चार विकेट खोकर 173 रन बनाए थे। हालांकि, न्यूजीलैंड ने सिर्फ 15.1 ओवर में आसानी से लक्ष्य का पीछा कर लिया था और आठ विकेट से जीत हासिल करके सुपर–8 राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया था। ग्लेन फिलिप्स 39 गेंदों पर 59 रन बनाकर नाबाद रहे थे, जबकि रचिन रवींद्र ने 36 गेंदों पर नाबाद 76 रन बनाए थे। जांच के दायरे में जो ओवर है, वह है न्यूजीलैंड की पारी के दौरान का पांचवां ओवर। इस ओवर में कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा ने गेंदबाजी की थी। बाजवा ने इस ओवर में 15 रन दिए थे, जिसमें एक नो–बॉल और एक वाइड शामिल थी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 35ध्2 था। दिलप्रीत बाजवा को टी20 विश्व कप 2026 से महज तीन हफ्ते पहले कप्तान बनाए जाने को लेकर भी विवाद रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, गैंग ने धमकियों के जरिए यह सुनिश्चित किया कि बाजवा टीम में बने रहें और बाद में कप्तान भी बनें। डॉक्यूमेंट्री में चौंकाने वाले कई खुलासों के बाद अब कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की नई रिपोर्ट में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। सीबीसी ने इस कथित फिक्सिंग कांड को सीधे लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जोड़ा है। यह गैंग कनाडा में एक हिंसक आपराधिक संगठन के रूप में जाना जाता है, जिसे वहां की सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इसी गैंग का संबंध सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या से भी रहा है और उन्होंने ही दिलप्रीत बाजवा के अचानक कप्तान बनने में भूमिका निभाई। सीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई 2025 में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक रेस्टोरेंट में करीब 25 क्रिकेटर मौजूद थे। उसी दौरान दो खिलाड़ियों ने खुद को बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए कनाडा टीम के एक स्टार खिलाड़ी को धमकाया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि अगर वह दिलप्रीत बाजवा और एक अन्य खिलाड़ी को आगे बढ़ाने में समर्थन नहीं देंगे, तो उन्हें और उनके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। रिपोर्ट में नोआह नाम के एक अन्य व्यक्ति का भी जिक्र है, जिसे लॉरेंस गैंग द्वारा धमकाए जाने का दावा किया गया है। सीबीसी ने नोआह के हवाले से लिखा, मैंने इसका विरोध किया और 40 मिनट के भीतर मुझे उसी नंबर से एक संदेश मिला, जिसने मुझे डरा दिया क्योंकि उसमें एक तस्वीर थी। जांच में यह भी संकेत मिला है कि यह सिंडिकेट कुछ खास लोगों को प्रशासन और टीम में ऊंचे पदों पर बैठाने की कोशिश कर रहा था। सीबीसी की रिपोर्ट में क्रिकेट कनाडा के मौजूदा अध्यक्ष अरविंदर खोसा का नाम भी इन घटनाओं से जोड़ा गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उनका संबंध उन लोगों से था, जिन्होंने खिलाड़ियों को धमकाया। हालांकि, खोसा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह उनकी छवि खराब करने की राजनीतिक साजिश है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खोसा ने पूर्व अध्यक्ष अमजद बाजवा से इस घटना को लेकर बात की थी, लेकिन अमजद ने इससे अनभिज्ञता जताई। सीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जांच की एक अलग कड़ी में कनाडा के पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक लीक हुई फोन रिकॉर्डिंग शामिल है।

बेटों के साथ मिलकर एक शख्स और उसके परिवार को पीटा, पुलिस ने तीन आरोपियों को दबोचा

मुंबई,एजेंसी। मुंबई के भायखला इलाके में एक मामूली सड़क विवाद ने हिंसक झड़प का रूप ले लिया। इस मामले में पूर्व भारतीय क्रिकेटर और टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के ससुर खालिद खान समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, यह पूरा मामला एक कार के गड्ढे से गुजरने पर पानी उछलने से शुरू हुआ, जो बाद में मारपीट में बदल गया। पुलिस ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया, शनिवार रात करीब नौ बजे यूसुफ खान (30) नाम का एक शख्स अपनी कार से घर लौट रहा था। इसी दौरान सड़क पर बने गड्ढे से गुजरते वक्त पानी उछलकर शोएब खान (35) पर जा गिरा। यूसुफ खान ने पुलिस को बताया कि उन्होंने तुरंत गाड़ी रोककर माफी मांगी, लेकिन इसके बावजूद शोएब खान गुस्से में आ गया। आरोप है कि उसने गाली–गलौज शुरू कर दी और बांस की लकड़ी से कार का विंडशील्ड तोड़ दिया। इसके बाद उसने यूसुफ खान पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। घटना के बाद जब यूसुफ खान अपने घर पहुंचे, तो परिवार ने उन्हें पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी, लेकिन जब वे पुलिस स्टेशन जा रहे थे, तभी रास्ते में उनकी मुलाकात खालिद खान (उर्फ 'मकालिक') से हो गई, जो यूसुफ पठान के ससुर बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, खालिद खान अपने बेटे उमरसद पठान, शोएब पठान और एक अन्य आरोपी शहबाज पठान के साथ थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच फिर से बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही हिंसा में बदल गई। जांच के मुताबिक, आरोपियों ने बांस की लाठियों और बेसबॉल बैट से यूसुफ खान और उनके परिवार पर हमला किया। इस हमले में यूसुफ खान के भाई सलमान का हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि उनके चाचा जाकी अहमद को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि यह हमला योजनाबद्ध तरीके से किया गया और इसमें कई लोग शामिल थे। भायखला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खालिद खान, उनके बेटे और एक अन्य रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं चौथा आरोपी शहबाज पठान अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में कार्रवाई सीसीटीवी फुटेज, चश्मदीद गवाहों के बयान और बरामद हथियारों के आधार पर की गई है। जांच में बांस की लाठियां और बेसबॉल बैट भी बरामद किए गए हैं, जिनका इस्तेमाल हमले में किया गया था।

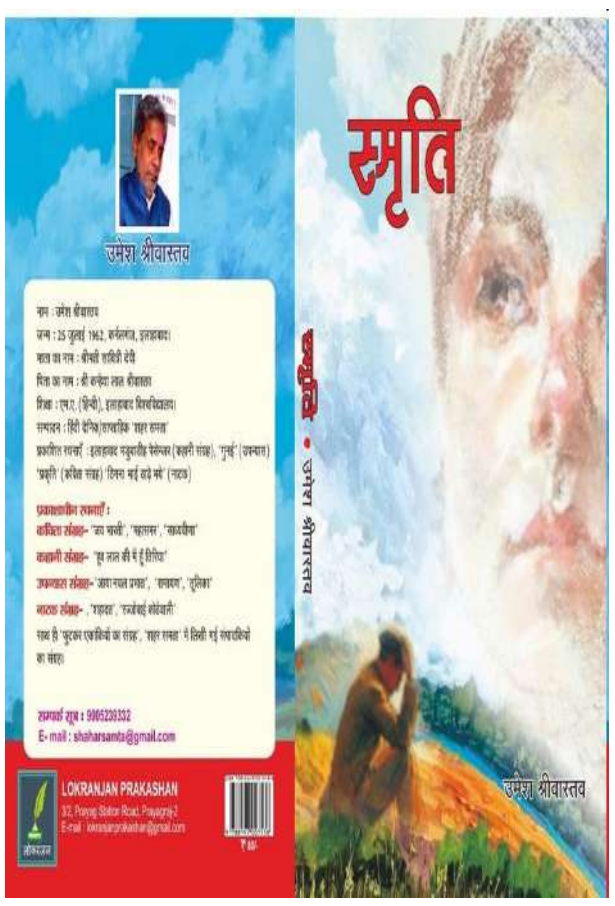

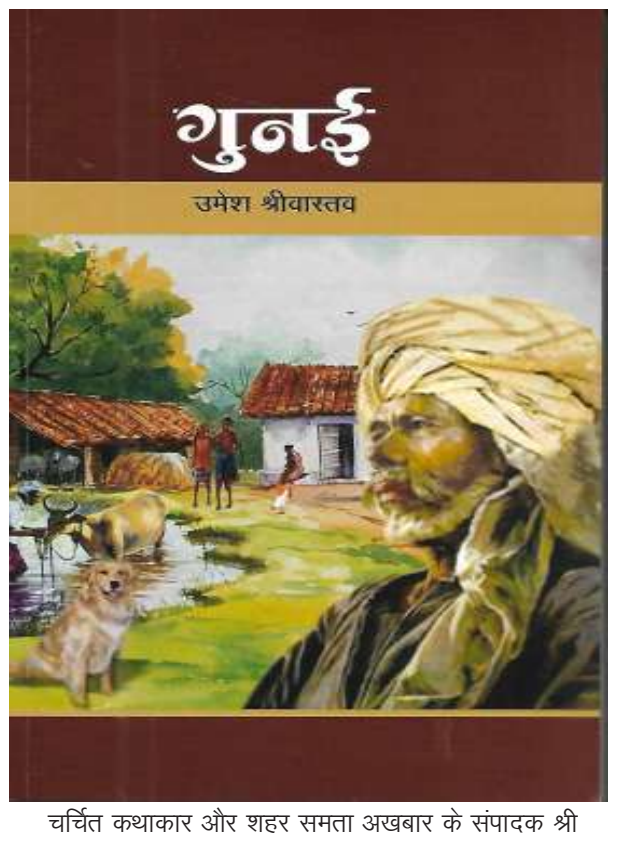

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

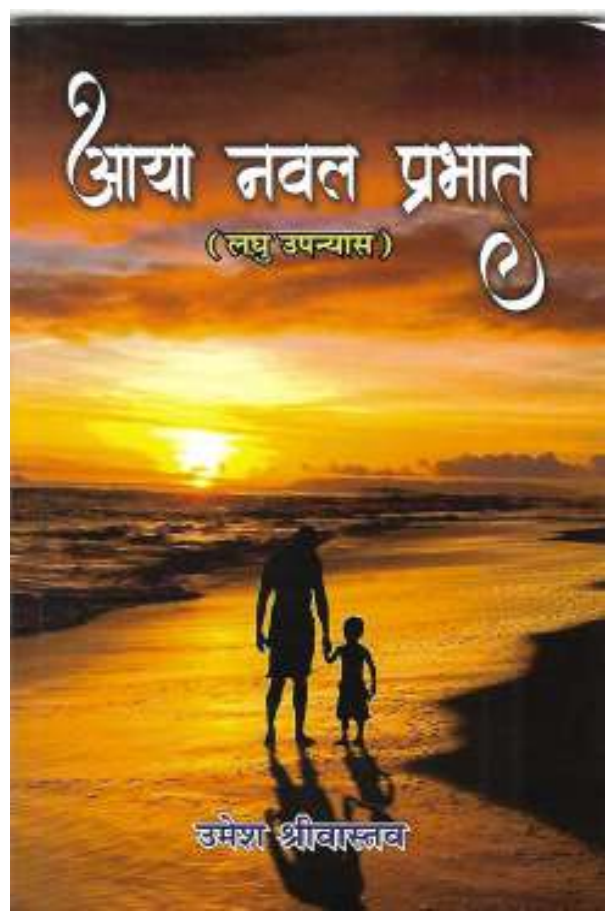

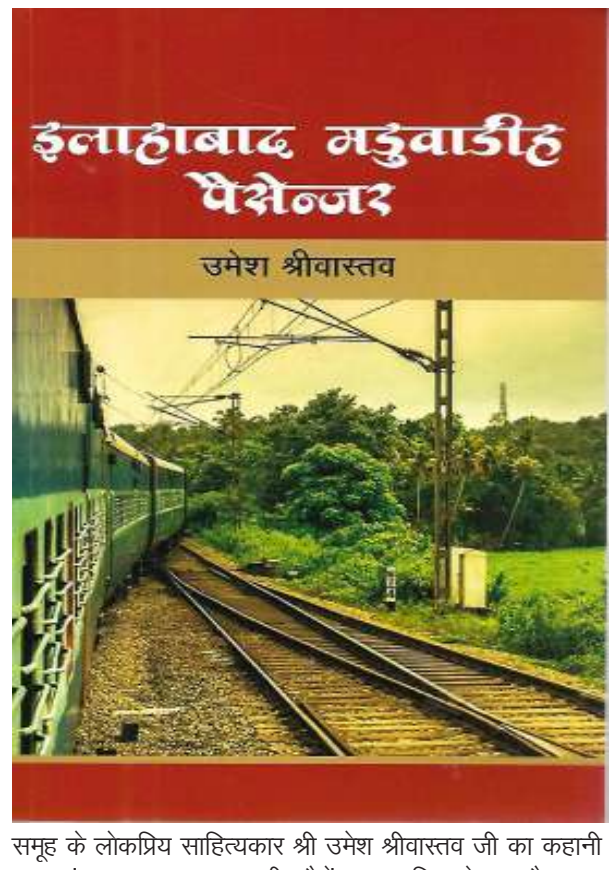

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

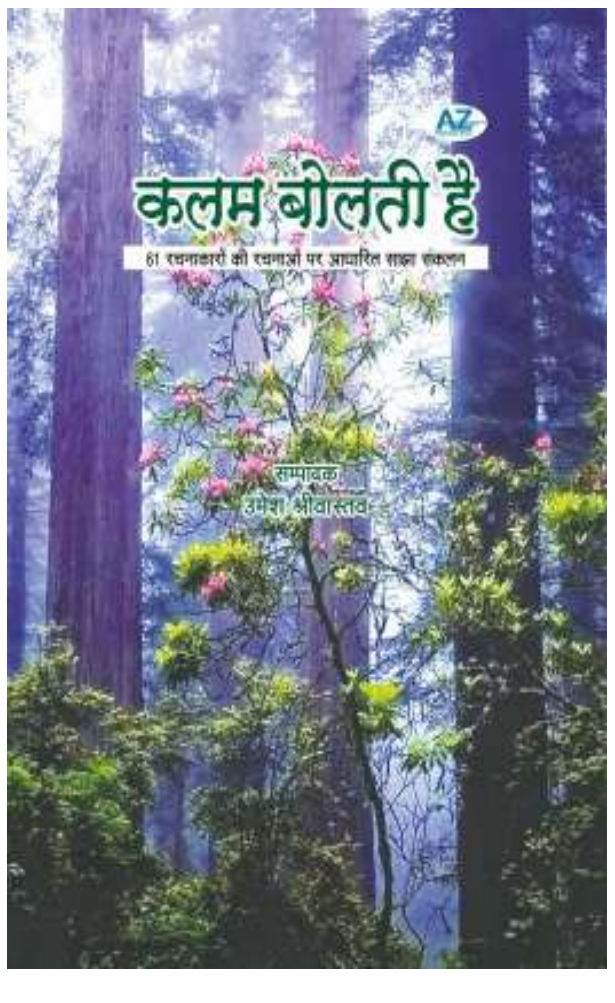

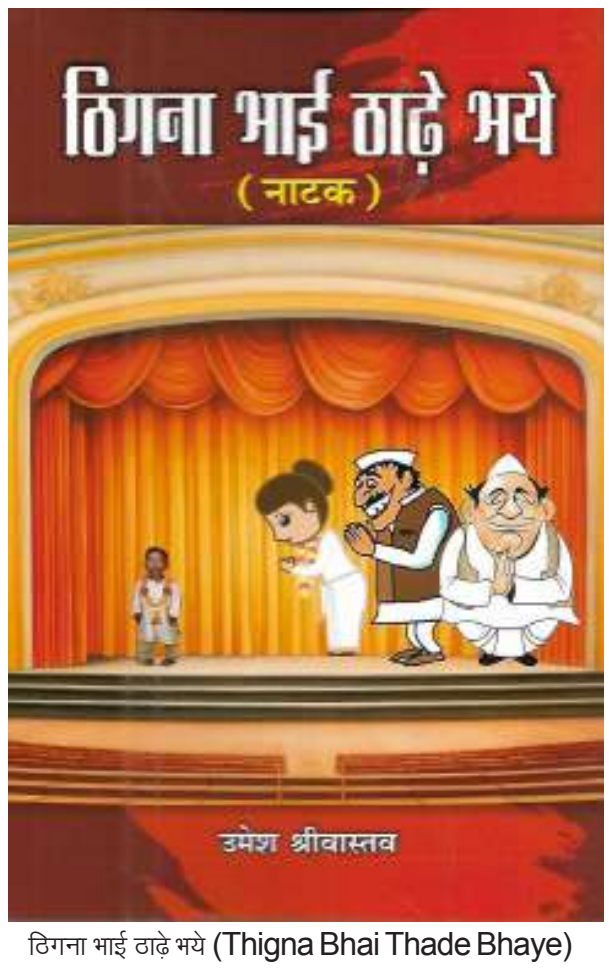

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

बांग्लादेश में नहीं बदले हालात: मदरसा के मौलाना पर दुष्कर्म की कोशिश के आरोप, शिकायत करने पर परिवार पर हमला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के नोआखली जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित दुष्कर्म की कोशिश के मामले में नया विवाद खड़ा हो गया है। पीड़िता के परिवार ने जब मदरसा के मौलाना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, तो उल्टा उनके ही घर पर हमला कर दिया गया। मानवाधिकार संगठन मनुषेर जोनो फाउंडेशन (एमजेएफ) ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। संगठन ने कहा कि पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा देने की बजाय उन्हें डराया–धमकाया जा रहा है, जो बहुत गंभीर मामला है। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता के पिता ने पिछले हफ्ते चारजब्बार पुलिस स्टेशन में मदरसे के अधीक्षक अबुल खायर के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि खायर ने उनके बेटी, जो नोआखाली के सुबर्णचर उपजिला में एक स्थानीय मदरसे की निवासी छात्रा थी, से दुष्कर्म का प्रयास किया था। शिकायत दर्ज होने के बाद, कथित तौर पर लगभग 100 लोगों ने पीड़िता के घर पर हमला किया, परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की, और तोड़फोड़ व लूटपाट की। हमले का एक वीडियो शनिवार दोपहर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसने व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया। मानवाधिकार संगठन के कार्यकारी निदेशक ने क्या कहा? एमजेएफ की कार्यकारी निदेशक शाहीन इनाम ने एक प्रमुख बांग्लादेशी समाचार पत्र को बताया कि यह घटना दर्शाती है कि न्याय मांगने वाले पीड़ितों और उनके परिवारों को अक्सर दंडित किया जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य को पीड़ितों और उनके परिवारों की रक्षा करनी चाहिए और आरोपी की गिरफ्तारी व अभियोजन सुनिश्चित करना चाहिए। उनका कहना था कि न्याय कानूनी प्रणाली के माध्यम से आना चाहिए, न कि अनौपचारिक समझौते या सामाजिक दबाव से। मानवाधिकार संगठन की मांगें मामले में एमजेएफ ने बांग्लादेशी अधिकारियों से सुबर्णचर की पीड़िता और उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने, आरोपी के साथ–साथ हमले में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने और एक त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराने का आग्रह किया है। संगठन ने मामले को अनौपचारिक रूप से निपटाने या बाधित करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। साथ ही, सभी शैक्षणिक संस्थानों में मजबूत निगरानी और जवाबदेही की वकालत की है। संगठन ने कानूनी कार्यवाही में देरी और उचित जांच के बजाय स्थानीय समाधान खोजने के प्रयासों पर भी चिंता जताई।

संक्षिप्त

पीएम नेतन्याहू जेल जाएंगे?: हंगरी के भावी प्रधानमंत्री के बयान से हलचल

बुडापेस्ट, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान के साथ जारी टकराव के बीच अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक नया मोड़ सामने आया है। हंगरी के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार के बयान ने वैश्विक स्तर पर हलचल बढ़ा दी है। उन्होंने साफ कहा है कि अगर इस्राइल के प्रधानमंत्री

बेंजामिन नेतन्याहू हंगरी आते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्रीय तनाव पहले से ही चरम पर है। स्काई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, मैग्यार ने स्पष्ट किया कि हंगरी की सीमा में प्रवेश करने वाले किसी भी ऐसे व्यक्ति को हिरासत में लिया जाएगा, जिसके खिलाफ इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) का गिरफ्तारी वारंट जारी है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हंगरी अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करेगा और आईसीसी की सदस्यता बनाए रखेगा। इसके साथ ही उन्होंने पिछली सरकार के उस फैसले को भी पलटने की बात कही, जिसमें आईसीसी से बाहर निकलने की योजना बनाई गई थी। बयान से तेज हुई राजनीतिक चर्चा मैग्यार का यह बयान इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि हाल ही में उन्होंने नेतन्याहू को हंगरी आने का निमंत्रण दिया था। इस पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह निमंत्रण 1956 के आंदोलन की 70वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम के तहत कई देशों के नेताओं को भेजा गया था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नेतन्याहू को पहले ही बता दिया गया था कि हंगरी आईसीसी के नियमों से पीछे नहीं हटेगा और कानून का पूरी तरह पालन करेगा। क्यों बना हुआ है मामला चर्चा में दरअसल, साल 2024 में आईसीसी ने बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इसी वजह से यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अब हंगरी के प्रधानमंत्री के इस सख्त रुख के बाद यह मुद्दा और ज्यादा चर्चा में आ गया है, जिससे आने वाले समय में कूटनीतिक संबंधों पर असर पड़ सकता है।

चीन ने ईरान भेजे मिसाइल वाले रसायन?: भारतीय मूल की पूर्व अमेरिकी राजदूत का दावा- कार्गो जहाज पर लदा है केमिकल

एजेंसी/अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच खाड़ी क्षेत्र में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक ईरानी कंटेनर जहाज को कब्जे में ले लिया है। दावा किया जा रहा है कि यह जहाज चीन से ईरान की ओर जा रहा था और उस पर मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े रसायन या दोहरे उपयोग वाले

सामान (डुअल–यूज मटेरियल) लदे हो सकते थे। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है। क्या दावा किया गया? अमेरिकी राजनीतिज्ञ और पूर्व गवर्नर निक्की हेली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि अमेरिकी नौसेना द्वारा जब्त किया गया पहला ईरानी जहाज चीन से ईरान जा रहा था। उन्होंने कहा कि जहाज पर मिसाइल निर्माण में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक सामान थे और उसे कई बार रुकने के आदेश दिए गए, लेकिन उसने आदेश नहीं माना। हेली ने आगे कहा कि यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि चीन ईरान की सरकार को सहयोग दे रहा है। उनके मुताबिक, ईरान को बाहरी समर्थन मिलने की आशंका अब नजरअंदाज नहीं की जा सकती। किस जहाज को किया गया जब्त? जब्त किए गए जहाज की पहचान टोस्का के रूप में हुई है। यह ईरानी झंडे वाला छोटा कंटेनर पोत इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स समूह का हिस्सा बताया गया है। यह वही शिपिंग कंपनी है, जिस पर पहले से अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं। जहाज को रविवार को चाबहार पोर्ट के तट के पास ओमान की खाड़ी में रोका गया। जहाज की गतिविधियों की जानकारी समुद्री ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म समुद्री यातायात के आंकड़ों से सामने आई। अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश की गई द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, इस जहाज को अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश के बाद रोका गया और बाद में चेतावनी के तौर पर चलाई गई गोलियों से इसका इंजन निष्क्रिय करने के बाद अमेरिकी बलों ने उस पर चढ़ाई की। शिपिंग डेटा के अनुसार जब्त किए जाने से पहले के हफ्तों में यह जहाज दो बार दक्षिणी चीन के झुहाई बंदरगाह पर गया था। ईरान की सेना ने समुद्री डकैती करार दिया ईरान की सेना ने अमेरिकी कार्रवाई को सशस्त्र समुद्री डकैती करार दिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

अमेरिका–ईरान वार्ता पर अटकलें: पूर्व CIA निदेशक बोले– दोनों देश बातचीत के लिए इच्छुक, बढ़ सकता है युद्धविराम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा तनाव अब एक अहम मोड़ पर पहुंच गया है, जहां अस्थायी युद्धविराम को आगे बढ़ाने की संभावना जताई जा रही है। अमेरिका के पूर्व सेंट्रल कमांड प्रमुख और पूर्व सीआईए निदेशक डेविड एच. पेट्रियस ने कहा है कि दोनों देश बातचीत जारी रखने के इच्छुक हैं, इसलिए युद्धविराम को आगे बढ़ाए जाने की संभावना ज्यादा है। बता दें कि यह युद्धविराम बुधवार को समाप्त होने वाला है। इसके बीच खबर है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पाकिस्तान जाकर ईरान के साथ दूसरे दौर की बातचीत में शामिल हो सकते हैं। हालांकि ईरान ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह इस वार्ता में शामिल होगा या नहीं। तनावपूर्ण समय में पेट्रियस ने बताया कि हालात अभी भी काफी नाजुक हैं, खासकर होर्मुज को लेकर। यह दुनिया का एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जहां से बड़े पैमाने पर तेल की आवाजाही होती है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान दोनों इस क्षेत्र में एक–दूसरे के खिलाफ दबाव बना रहे हैं, जिससे समुद्री व्यापार पर असर पड़ रहा है। कैसे उलझ सकती है स्थिति? समझिए अपने बयान में पेट्रियस ने कहा कि भले ही अमेरिका को कुछ सैन्य सफलताएं मिली हों, लेकिन अगर समुद्री मार्ग पर नियंत्रण पूरी तरह नहीं मिला तो स्थिति संतुलित या उलझी हुई रह सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि आगे हालात के अनुसार हवाई हमले या अन्य सैन्य विकल्प भी सामने आ सकते हैं, लेकिन बड़े पैमाने पर जमीनी युद्ध की संभावना कम है। कुल मिलाकर, दोनों देशों के बीच बातचीत की उम्मीद भी है और तनाव भी बना हुआ है। आने वाले कुछ दिन इस पूरे संकट की दिशा तय कर सकते हैं कि यह शांति की ओर जाएगा या टकराव और बढ़ेगा। समझिए क्या चाहता है अमेरिका? गौरतलब है कि अमेरिका का कहना है कि उसका लक्ष्य इस रास्ते पर ईरान का नियंत्रण खत्म करना और अंतरराष्ट्रीय समुद्री आवाजाही को बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को बंद करे और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों को अपने परमाणु भंडार की जांच की अनुमति दे। हालांकि दूसरी ओर ईरान इन शर्तों को मानने से इनकार कर रहा है और अब तक अपने यूरेनियम कार्यक्रम को रोकने पर सहमत नहीं हुआ है।

उत्तर कोरिया की न्यूक्लियर जानकारी उजागर, उपग्रह–आधारित खुफिया जानकारी साझा करने पर अमेरिकी रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने दक्षिण कोरिया के साथ उत्तर कोरिया से जुड़ी उपग्रह–आधारित खुफिया जानकारी साझा करने पर आंशिक रोक लगा दी है। यह कदम दक्षिण कोरिया के एकीकरण (यूनिफिकेशन) मंत्री चुंग डोंग–यंग द्वारा उत्तर कोरिया की परमाणु सुविधा से संबंधित संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक किए जाने के बाद उठाया गया है। इस घटनाक्रम से दोनों सहयोगी देशों के बीच एक विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, दक्षिण कोरियाई सेना का कहना है कि इस रोक से उसकी तत्परता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वॉशिंगटन ने यह निर्णय तब लिया जब पिछले महीने संसद के एक सत्र के दौरान मंत्री चुंग ने उत्तर कोरिया के कुसोंग क्षेत्र का उल्लेख करते हुए बताया था कि यह देश की यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं में से एक है। उत्तर कोरिया से संबंधित ऐसी जानकारी का सार्वजनिक खुलासा एक दुर्लभ घटना मानी जाती है। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने पुष्टि की, यह सच है कि इस महीने की शुरुआत से ही अमेरिका ने उपग्रहों के जरिए जुटाई गई उत्तर कोरियाई खुफिया जानकारी के कुछ हिस्सों को साझा करने पर रोक लगा दी है।ष अधिकारी ने आगे कहा कि यह रोक उत्तर कोरिया की तकनीक के कुछ हिस्सों से जुड़ी जानकारी से संबंधित है। अमेरिकी आपत्ति और मंत्री का स्पष्टीकरण खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने मंत्री चुंग द्वारा इस जानकारी को सार्वजनिक किए जाने पर आपत्ति जताई है। अमेरिका का मानना है कि यह जानकारी वाशिंगटन द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी पर आधारित थी। एकीकरण मंत्रालय ने पिछले हफ्ते कहा था कि चुंग ने ये टिप्पणियां ष्सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारीष के आधार पर की थीं। सोमवार को चुंग ने उन आरोपों पर खेद व्यक्त किया कि उनकी टिप्पणियों से जानकारी लीक हुई है। उन्होंने कहा कि कुसोंग का जिक्र करने का उनका मकसद दक्षिण कोरिया की उत्तर कोरिया नीति को स्पष्ट करना था। खुफिया जानकारी साझा करने का महत्व सहयोगी देश आमतौर पर उत्तर कोरिया की निगरानी से जुड़ी जानकारी जैसे कि मिसाइल लॉन्च गतिविधियां आपस में साझा करते रहे हैं। एक सूत्र के अनुसार, इस आंशिक रोक के बावजूद दक्षिण कोरियाई सेना को अपनी तत्परता बनाए रखने में कोई समस्या नहीं है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच खुफिया जानकारी का आदान–प्रदान दोनों देशों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। यह सहयोग उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर नजर रखने में मदद करता है। वर्तमान आंशिक रोक केवल कुछ विशिष्ट तकनीकी जानकारियों तक सीमित है। उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता का विषय रहे हैं। मंत्री चुंग के खुलासे ने कुसोंग को एक नई यूरेनियम संवर्धन सुविधा के रूप में उजागर किया। पहले से योंगब्योन और कांगसोन में ऐसी सुविधाओं की रिपोर्टें थीं। यूरेनियम संवर्धन परमाणु हथियार बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इस तरह की जानकारी का सार्वजनिक होना उत्तर कोरिया के परमाणु प्रसार प्रयासों पर प्रकाश डालता है। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रतिबंधित जानकारी उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रमों से संबंधित मानी जा रही है।

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी: मानवाधिकार कार्यकर्ता ने ऑपरेशन सिंदूर की जमकर की सराहना, पाकिस्तान को लताड़ा

लंदन, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से ठीक पहले मानवाधिकार कार्यकर्ता आरिफ अजाकिया ने पहलगाम आतंकी हमले को बेहद भयावह बताते हुए कहा कि यह श्धर्म के नाम पर किया गया आतंकवादश था।

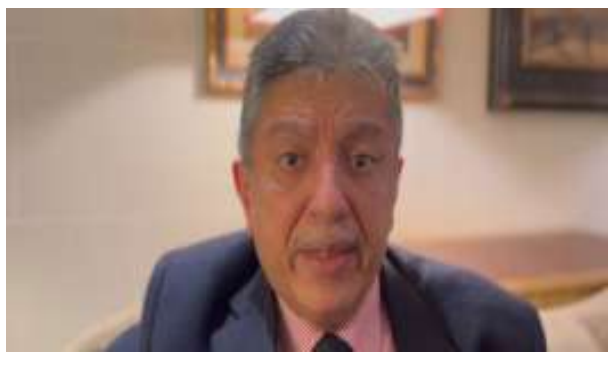

पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। लंदन में बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से बिना किसी डर के भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है और उसे लगता था कि भारत इसका जवाब नहीं देगा। आरिफ अजाकिया ने कहा कि हमले में लोगों को उनकी आस्था के आधार पर निशाना बनाया गया, जो इसे और भी गंभीर बनाता है। भारत ने आतंकवाद पर साफ संदेश दिया– अजाकिया उन्होंने पिछले एक साल में भारत की प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने साफ संदेश दिया है कि अब आतंकवाद बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके मुताबिक, इसी सख्ती का असर रहा कि पूरे साल कोई बड़ा आतंकी हमला देखने को नहीं मिला। उन्होंने श्ऑपरेशन सिंदूरश का जिक्र करते हुए कहा कि यह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि अभी सिर्फ रोका गया है, अगर हालात बिगड़ते हैं तो यह फिर शुरू हो सकता है। पाकिस्तान की ही बनाई हुई आतंकी संरचनाएं पाकिस्तान के इस दावे पर कि वह आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, अजाकिया ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि जिन संगठनों के खिलाफ कार्रवाई की बात की जा रही है, वे खुद पाकिस्तान की ही बनाई हुई संरचनाएं हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का नाम लिया और आरोप लगाया कि यह संगठन पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की ही देन है। कई बड़े तालिबान नेता पाकिस्तान में ही छिपे रहे अजाकिया ने यह भी कहा कि कई बड़े तालिबान नेता पाकिस्तान में ही आईएसआई के संरक्षण में छिपे रहे। उनका मानना है कि बाद में इन संगठनों के भीतर मतभेद हुए और वे खुद पाकिस्तान के लिए खतरा बन गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिक्रिया को लेकर भी अजाकिया ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक राजनीति के कारण पाकिस्तान पर उतना दबाव नहीं बनता जितना बनना चाहिए। उनके मुताबिक, पाकिस्तान को एक रणनीतिक बफर जोन के रूप में देखा जाता है, खासकर अफगानिस्तान और ईरान के पास होने की वजह से। अपने हितों के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करता है ।

धमकियों के बीच बातचीत नहीं होगी, अड़ा ईरान, 24 घंटे बाद क्या होगा?

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत की ईरान की कोई योजना नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर सीज फायर का उल्लंघन कर कूटनीति को कमजोर करने के आरोप लगाए थे। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में वार्ता से पहले ही ईरान और अमेरिका में तनाव बढ़ गया है। अब ईरान ने साफ कर दिया है कि धमकियों के बीच कोई बातचीत नहीं होगी। साथ ही अमेरिका पर सीज फायर के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही वार्ता को लेकर अब अनिश्चितताएं बढ़ गई हैं। ईरान की तरफ से यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बाद आई जिसमें उन्होंने डील नहीं होने पर बम गिराने की बात कही थी। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गलीबा ने लिखा कि ट्रंप घेराबंदी करके और युद्ध विराम का उल्लंघन करके अपनी कल्पना में इस बात की मेज को आत्मसमर्पण की मेज में बदलना चाहते हैं या फिर से युद्ध भड़काने को सही ठहराना चाहते हैं। हम धमकियों के साए में बातचीत स्वीकार नहीं करते। पिछले दो हफ्तों में हमने युद्ध के मैदान में अपने नए पत्ते खोलने की पूरी तैयारी कर ली है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत की ईरान की कोई योजना नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर सीज फायर का उल्लंघन कर कूटनीति को कमजोर करने के आरोप लगाए थे। हालांकि खबरें यह भी आई कि ईरान दूसरे दौर की बातचीत के लिए इच्छुक है। बहरहाल अब तक आधिकारिक तौर पर वार्ता में शामिल होने को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वाकई ने समुद्री प्रतिबंधों सहित अमेरिकी दबाव की आलोचना की और कहा कि बिना किसी स्पष्ट ढांचे के ईरान नई वार्ता में भाग नहीं लेगा। उन्होंने दोहराया कि यूरेनियम संवर्धन और रक्षा से संबंधित मुद्दे ऐसे हैं जिन पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस्माइल बाकी ने ओमान सागर में एक ईरानी व्यापारिक जहाज पर अमेरिकी हमलों का जिक्र भी किया और इसे समुद्री समझौतों का उल्लंघन और आक्रामकता करार दिया। उन्होंने कहा कि ईरानी जवाबी कार्रवाही के बाद अमेरिकी सैनिकों को पीछे हटना पड़ा। इसके साथ ही उन्होंने लेबनान के खिलाफ इजराइली उल्लंघन और आत्मरक्षा के दावों की भी आलोचना की। हाल ही में मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान को पाकिस्तान वार्ता में होना चाहिए। उन्होंने कहा हम वहां जाने के लिए सहमत हुए हैं। साथ ही चेतावनी भी दे दी कि अगर सीज फायर खत्म हो गया तो बमबारी भी कर दी जाएगी। वहीं ब्लूमबर्ग से बातचीत में उन्होंने कहा था कि इस बात की संभावनाएं कम ही है कि दो हफ्ते के सीज फायर को आगे बढ़ाया जाएगा। यानी कि ट्रंप की बातों में साफ तौर पर नजर आ रहा है कि युद्ध आगे तेज हो सकता है। हाल फिलहाल में होर्मुज जडोमरू मध्य में जो भी गतिविधियां हुई है जैसे कि ईरानी शिप को अमेरिका द्वारा कब्जा किया जाना और इसके अलावा समुंदर में जो नाकेबंदी है वो तेज होना साथ ही साथ ईरान का किसी भी व्यापारिक जहाज को ना गुजरने देना ये तमाम घटनाएं दर्शाती हैं कि आने वाले समय में युद्ध और ज्यादा भड़क सकता है और यह जो 14 दिन का सीज फायर था वो सिर्फ एक सेफ विंडो के लिए थाद्य देखना यह होगा कि युद्ध आगे किस ओर रुख करता है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और साथ ही साथ ईरान क्या रुख अपनाता है।

ट्रंप टैरिफ पर बड़ा अपडेट, भारत को क्या फायदा?

कोर्ट ने कहा कि अमेरिकी संविधान के आर्टिकल एक के सेक्शन आठ के तहत टेरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ कांग्रेस को है। अमेरिका के चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने कहा था कि ट्रंप ने अपने अधिकारों की सारी सीमाएं लांग दी हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।